वर्ष-08 |अंक-278 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

RNI-MPHIN/2018/75526

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, बुधवार 15 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-1, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड रूपये की डिफेंस डील

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला
लंबी जंग की तैयारी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात

तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए।

भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट स्वकहाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था.

भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना 2031 तक निरंतर रखने के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति

मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय

टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय

वाणिज्यिक कर विभाग के कार्यालय संचालन के लिए 521 करोड़ 4 लाख रुपये की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है।

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ में जल संसाधन विभाग की कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति दी है।

नगरीय क्षेत्रो में अधोसंरचना विकास के लिए 8 हजार 445 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने वाणिज्य कर विभाग के तहत पालिका अधिनियम अंतर्गत पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क के अधिभार से प्राप्त राशि का निधि में अंतरण से संबंधित योजना के आगामी 5 वर्षों तक संचालन के लिए 8 हजार 445 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

दिव्यांगों पर टिप्पणी- कॉमेडियन समय रैना समेत 5 पर जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट बोला- हमने आजादी दी ताकि सुधरें पर कुछ नहीं हुआ, हमें गुमराह किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना, रणवीर अलाहाबादिया, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर, निशांत जगदीश तंवर पर 3 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। अदालत ने दिव्यांगों पर विवादित टिप्पणी के केस में यह आदेश दिया है। इसकी सुनवाई CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि हमारे आदेश के बावजूद रैना ने अपने शो पर किसी दिव्यांग को नहीं बुलाया। अदालत ने कहा-हमें लगता है कि रैना ने अदालत को गुमराह किया और हमारे आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया। अदालत क्योर एसएमए इंडिया फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रैना के शो पर स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के इलाज के खर्च पर असंवेदनशील टिप्पणी करने और दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप है।

होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो:भारत

ईरानी दूत को तलब किया, आज सुबह ईरानी हमले में भारतीय की मौत हुई थी

तेल अवीव/तेहरान। भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में मंगलवार सुबह दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, हमले का शिकार बने दोनों जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हुए हैं। भारत ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही लगभग ठप

सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 10 जहाज गुजरे, जो पिछले एक महीने का सबसे निचला स्तर है। समुद्री डेटा कंपनी केप्लर के मुताबिक, युद्ध शुरू होने से पहले इस मार्ग से रोजाना 130 से ज्यादा जहाज गुजरते थे।दुनिया के सबसे बड़े शिपिंग संगठन बिमको के मुख्य सुरक्षा अधिकारी जैकब लार्सन ने कहा कि मौजूदा हालात में जहाज मालिकों के लिए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरना जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने कहा, खतरा बहुत ज्यादा है। ऐसे में कई जहाज मालिक फिलहाल इंतजार करना ही बेहतर समझेंगे।

खाड़ी में हमलों में सबसे अधिक भारतीय नाविकों की मौत हुई

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि खाड़ी में हुए हमलों में सबसे ज्यादा भारतीय नाविकों की मौत हुई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने फारस की खाड़ी में फंसे भारतीय जहाजों और नाविकों को लेकर कहा, आपने जो सवाल पूछा, उससे जुड़ी पूरी जानकारी इस समय मेरे पास नहीं है। लेकिन मैं बता सकता हूं कि कल रात जिन दो जहाजों पर हमला हुआ, उनमें कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। उन्होंने कहा, एक जहाज पर 12 लोग सवार थे, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। दूसरे जहाज पर 18 भारतीय नाविक सवार थे, जिनमें से 9 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें से 2 की हालत गंभीर है। रणधीर जायसवाल ने कहा, मैं यह भी बता सकता हूं कि सभी देशों के नागरिकों में भारतीय नाविकों ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों में सबसे ज्यादा मौत का सामना किया है।हालांकि, मैं गलत आंकड़े नहीं देना चाहता। क्षेत्र में हमारे कुल कितने जहाज हैं और कुल कितने लोग हताहत हुए हैं, इससे जुड़ी जानकारी मैं इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के खत्म होने के बाद साझा करूंगा। हालांकि, इस बीच सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 28 फरवरी 2026 से खाड़ी क्षेत्र में मारे गए भारतीयों की कुल संख्या 13 है। वहीं, तीन भारतीय लापता हैं।

मप्र में मानसून सुस्त, 8 जिलों में आधे से कम बारिश, 14 जिले अब भी पीछे

प्रदेश में अभी अच्छी बारिश के आसार नहीं, सिस्टम एक्टिव होते ही बढ़ेंगी गतिविधियां

भोपाल (एजेंसी)

मध्यप्रदेश में मानसून की शुरुआत अच्छी रहने के बावजूद अब बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई है। प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस अवधि का सामान्य कोटा 250.1 मिमी है। यानी प्रदेश औसत रूप से केवल 3 प्रतिशत कम बारिश की स्थिति में है, लेकिन जिला स्तर पर तस्वीर काफी असमान है।

कई जिलों में सामान्य से कहीं अधिक बारिश हुई है, जबकि कुछ जिले गंभीर बारिश की कमी झेल रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति रीवा, मैहर, अलीराजपुर और शहडोल संभाग के कई जिलों में है, जहां अब तक सामान्य बारिश के मुकाबले 50 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। वहीं प्रदेश के 14 जिलों में सामान्य से 20 प्रतिशत या उससे अधिक कम बारिश हुई है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई और जल स्त्रोतों पर असर पडने की आशंका बढ़ गई है। फिलहाल प्रदेश में अच्छी बारिश के आसार अभी नहीं है। इस वजह से दिन और रात के तापमान में भी इजाफा होने लगा है। कम बारिश के मामले में प्रदेश के अलीराजपुर जिले की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां अब तके कोटे से 75 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। इसके अलावा मैहर में 55 फीसदी और रीवा में 54 फीसदी कम बारिश हुई है।

कम बारिश वाले जिले

जबलपुर (-24%)	सीधी (-32%)
कटनी (-23%)	सिंगरौली (-29%)
मंडला (-31%)	टीकमगढ़ (-28%)
नरसिंहपुर (-37%)	अलीराजपुर (-75%)
रीवा (-54%)	झाबुआ (-29%)
सागर (-25%)	नर्मदापुरम (-37%)
शहडोल (-29%)	रायसेन (-23%)

इन जिलों में अच्छी बारिश

देवास (+95%)	नीमच (+41%)
इंदौर (+58%)	हरदा (+38%)
भिंड (+52%)	सीहोर (+34%)
आगर-मालवा (+43%)	मंदसौर (+32%)
बुरहानपुर (+43%)	उज्जैन (+32%)

बड़ा सवाल सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो के दुरुपयोग पर जताई चिंता, कहा-हर मामले को अपराध नहीं माना जा सकता

लड़के-लड़की को भागने से कैसे रोक सकती है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने किशोर-किशोरियों के बीच सहमति से बने संबंधों में पॉक्सो कानून के कथित दुरुपयोग पर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि हर ऐसे मामले में स्वतः पॉक्सो का केस दर्ज करना उचित नहीं हो सकता, जहां लड़का-लड़की अपनी इच्छा से साथ चले जाते हैं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि 15 से 18 वर्ष की उम्र भावनात्मक बदलाव और नई चीजों को समझने का समय होता है। अदालत ने सवाल किया कि सरकार किसी लडक़े और लडक़ी को साथ जाने से कैसे रोक सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में किशोरियां अपनी इच्छा से साथी के साथ चली जाती हैं, लेकिन परिवार सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में लडक़े के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करा देता है। बाद में ऐसे मामलों में आरोपियों को बरी करना पड़ता है। अदालत ने कहा कि इन मामलों में कई किशोरों को जेल तक जाना पड़ता है।

राष्ट्रीय डैशबोर्ड का सुझाव

केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि इस विषय पर कुछ सिफारिशें तैयार की गई हैं, जिन्हें स्वीकार किए जाने पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा सकता है। माधवी दीवान ने पॉक्सो मामलों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय डैशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट में बाल अधिकारों से जुड़ी समितियां पहले से मौजूद हैं और राज्य सरकारें भी मामलों की निगरानी कर सकती हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

निजता के अधिकार से जुड़े मामले में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट यह टिप्पणी किशोरों के निजता के अधिकार से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान कर रहा था। यह मामला 2023 में कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था, जिसमें किशोरियों को रिश्तों से दूर रहने और अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सलाह दी गई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की उस टिप्पणी को रद्द कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने अदालत को बताया कि मूल मामला एक नाबालिग लडक़ी और 25 वर्षीय युवक के साथ जाने से जुड़ा था। बाद में दोनों साथ रहने लगे और उनका एक बच्चा भी है। उन्होंने कहा कि सहमति वाले संबंधों में पॉक्सो कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जरूरत है।

अदालत ने मांगा रिकॉर्ड

वैष्णो देवी दरबार में 500 करोड़ का फ्रॉड! 20 टन नकली चांदी चढ़ाई

जम्मू, एजेंसी

श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में चढ़ाई गई 550 करोड़ की नकली चांदी के मामले में जम्मू की अदालत ने पुलिस को रिकॉर्ड कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 29 जुलाई को अगली सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने का आदेश दिया है। यहां बता दें कि मां वैष्णो देवी के दरबार में 20 टन से अधिक चांदी भक्तों द्वारा चढ़ाई गई थी। इसकी बाजार में कीमत 550 करोड़ के आसपास बैठती है। बोर्ड ने चांदी को गलाने के लिए भेजा तो उसमें पांच से छह प्रतिशत ही चांदी निकली। बताया गया कि शेष कैडमियम और लोहा जैसे तत्व हैं। अर्थात ज्यादातर चांदी नकली ही निकली।

चढ़ाई गई मिलावटी चांदी

उन्होंने आशंका जताई थी कि श्रद्धालुओं द्वारा मां के दरबार में चढ़ाई गई चांदी में मिलावट की गई है या उसकी अदला-बदली की गई है। इसमें हेर-फेर की आशंका को देखते हुए उन्होंने इस मामले की विस्तृत जांच की मांग की थी। पुलिस की जांच इस मामले में आगे नहीं बढ़ी तो उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

संक्षिप्त समाचार

श्रम प्रहरी योजना से अपंजीकृत संस्थानों पर होगी निगरानी, नागरिक भी दे सकेंगे सूचना

सतना। श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए श्रम प्रहरी-एक जनभागीदारी पहल प्रारंभ की गई है। यह योजना आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है, जिसके माध्यम से अपंजीकृत कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की जानकारी विभाग तक पहुंचाई जा सकेगी। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के अंतर्गत ऐसे सभी संस्थान, जहां 10 या उससे अधिक श्रमिक कार्यरत हैं और जिनका पंजीकरण नहीं हुआ है, उनकी सूचना नागरिक स्वयं श्रम विभाग के पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इससे इन संस्थानों को नियमानुसार पंजीकरण के दायरे में लाकर श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

8 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

सतना। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत आपदा से पीड़ित दो व्यक्तियों के परिजन को 4 लाख रूपये के मान से 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर (ग्रामीण) एलआर जांगडे द्वारा तहसील रघुराजनगर अंतर्गत बढियाकला निवासी मुमताज खान के पुत्र की पानी में डूबने से तथा सोहावल निवासी फ़िरोज अली की पत्नी की कुआं के पानी में डूबने से मृत्यु होने पर 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

[आयोजन] जिला स्तरीय कार्यशाला में डीसीएचबी-2027 पर दिया प्रशिक्षण

जनगणना से संबंधित कार्यों में बरतें पूरी सावधानी : विकास सिंह

÷Uø संवाददाता ■ सतना

कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) के संबंध में आयोजित की गई, जिसमें संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट कार्यालय के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में प्रातः 10 बजे से किया गया। कार्यशाला में जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर

(चार्ज अधिकारी) विकास सिंह, मणिराज बगारी, तहसील कोटर के नगर पालिका अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, भोपाल से आए मास्टर ट्रेनर उमेशचंद्र कुशवाहा, जनगणना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह सहित अनुराग सिंह बघेल, रितिक बर्मन, अखिल सिंह बघेल एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान जिला जनगणना हस्तपुस्तिका 2027 के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इसमें डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, आंकड़ों के संकलन एवं संधारण, रिपोर्ट तैयार करने की विधि तथा आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए कार्य की बारीकियों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनगणना से संबंधित कार्यों को पूर्ण सावधानी, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपादित किया जाए, ताकि जिले की जनगणना प्रक्रिया त्रुटिरहित एवं प्रभावी रूप से पूर्ण हो सके। साथ ही यह भी बताया गया कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला होती है, इसलिए इसकी गुणवत्ता एवं सटीकता पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षण 13 जुलाई से 23 जुलाई तक चलेगा।

पश्चिम मध्य रेल के जीएम से चेम्बर ने की मुलाकात

÷Uø संवाददाता ■ सतना

पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के जनरल मैनेजर (जी.एम) दिलीप कुमार सिंह के सतना प्रवास के अवसर पर विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, सतना के अध्यक्ष सतीश सुखेजा एवं महामंत्री मनोज कटारे ने सांसद, चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष विवेक अग्रवाल, चेम्बर के पूर्व महामंत्री संदीप कुमार जैन, चेम्बर के वरिष्ठ सदस्य रविन्द्र सिंह सेठी, कन्हैयालाल पोहानी के साथ पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। चेम्बर महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि सतना शहर एवं व्यापारिक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जनरल मैनेजर (जी.एम) का ध्यान आकर्षित कराया गया। चेम्बर ने आग्रह किया कि सतना रेलवे स्टेशन के समीप स्थित माल गोदाम (गुड्स शेड) को शहर के बाहर कैमा में स्थानांतरित किए जाने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे स्टेशन क्षेत्र में यातायात का दबाव कम हो तथा शहरवासियों एवं व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कैमा स्थित माल गोदाम की साइट का माननीय सांसद जी एवं जी.एम साहब के साथ चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने स्थल निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति का जायजा लिया। जी.एम साहब ने 6 माह के अंदर माल गोदाम शिफ्ट करने का आश्वासन दिया है। कैमा स्टेशन से नई यात्री गाड़ियो के संचालन के रेल विभाग के निर्णय का स्वागत करते हुए चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा जी ने सुगम यातायात के लिए मुख्यारगंज से कैमा स्टेशन के पहुंच मार्ग को अतिक्रमण मुक्त और सड़क के चैड़ीकरण की मांग की। चेम्बर ने यह भी मांग रखी कि वर्षो से लंबित इन्द्रा मार्केट एवं पालिका बाजार की दुकानों को 10 मीटर पीछे करने की अनुमति प्रदान की जाये, ताकि सड़क की चैड़ाई बढ़ सके और इस क्षेत्र में लगातार बनी रहने वाली यातायात की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। जनरल मैनेजर दिलीप कुमार सिंह ने चेम्बर द्वारा उठाए गए सुझावों एवं मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को इन विषयों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने विश्वास व्यक्त किया कि इन मांगों के पूर्ण होने से सतना शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

खरीफ फसलों के बीज वितरण कार्यक्रम में शामिल हुईं राज्यमंत्री

÷Uø संवाददाता ■ सतना

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्रीप्रतिमा बागरी सोमवार को जनपद पंचायत सोहावल में खरीफ फसलों के बीज वितरण कार्यक्रम में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा किसानों को खरीफ फसल के लिए उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण बीजों का वितरण किया गया। सोहावल में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि उन्नत बीजों के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में सुधार आएगा।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

÷Uø संवाददाता ■ सतना

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) में तीन दिवसीय फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 जुलाई से 15 जुलाई तक 3 बैचों में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम - सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन श्री देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, रीवा से डॉ. आनंद महिन्द्रा, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, विजय तिवारी एवं जगजीवन पाण्डेय प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की ओर से दिनेश अग्रवाल, प्रवीण श्रीवास्तव, ओम प्रकाश वर्मा, अनुज भूतड़ा एवं राजेश कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रशिक्षकों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने फर्स्ट एड प्रशिक्षण के महत्व तथा कार्यस्थल पर इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मनीष कुमार सिंह (प्रेसिडेंट एंड प्लांट हेड) तथा डॉ. मनीष कुमार सिन्हा (हेड - एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स एंड हेड - कॉर्पोरेट एचआर) के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समापन 15 जुलाई को किया जाएगा।

इनरव्हील क्लब ने किया सेवा व जागरूकता कार्यक्रम

÷Uø संवाददाता ■ सतना

इनर व्हील क्लब द्वारा आयोजित सेवा व जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों के अंतर्गत चार महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट संपन्न किए गए। कार्यक्रम के दौरान एक जरूरतमंद बच्चे की विद्यालय फीस जमा कराई गई तथा उसे स्कूल ड्रेस एवं आवश्यक स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री शर्मा द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग विषय पर उपयोगी एवं प्रेरणादायक जानकारी दी गई। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के दस मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर क्लब के तीन नए सदस्यों का पिन पहनाकर औपचारिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मानसून थीम के अंतर्गत छाता सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सिन्धु विकास समिति की बैठक में बनी कार्यक्रम की रणनीति

■ अगस्त में महिला रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन

÷Uø संवाददाता ■ सतना

विंध्य क्षेत्र की अग्रणी समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति की महत्वपूर्ण बैठक सिन्धी कॉलोनी स्थित गेलानी परिसर में संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संस्था के संरक्षण श्रीचंद मनवानी गोपी गेलानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में मुक्तिधाम परिसर में बनने वाले श्रद्धांजलि सभा हाल एवं मुखाग्निक स्थल रिनोवेशन एवं अन्य होने वाले निर्माण कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ये रहे उपस्थित

अगस्त माह में महिला रक्तदाता सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया इस अवसर पर रक्तवीर महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में संरक्षण श्रीचंद मनवाणी, गोपी गेलानी,अध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी, मार्गदर्शक गोपीचंद कापड़ी, मंत्री महेश रावलानी, सह मंत्री गंगाराम सचदेव ,मीडिया प्रभारी अमित कामरानी, कार्यकारिणी सदस्य बसंत खत्री, मनीष सदानी, राजकुमार साधवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बंगाली महिला मंडल ने मनाया वार्षिक दिवस

÷Uø संवाददाता ■ सतना

शहर के कालीबाड़ी में बंगाली महिला मंडल ने अपना वार्षिक दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मां काली के दर्शन करके प्रसाद ग्रहण किया और अपने पारम्परिक गीत गाकर इस दिन को मनाया, साथ ही नये सत्र की शुरुआत की।

इस अवसर पर बंगाली महिला मंडल की संरक्षक सीमा भट्टाचार्य अध्यक्ष मौसमी बनजी, सचिव राखी मित्रा, कोषाध्यक्ष सपना मुखर्जी, झरना भट्टाचार्या, दीपाली

विश्वास, करवी पंडा, बाबती भट्टाचायो, काजल मट्टाचार्या, मीरा दत्ता, श्रावणी, विभा बनर्जी, कल्पना वागची, ममता आमा, तता, साधना, अंजू, मीता, रीना, तुलसी, नीता, अनुराधा, सविता, मौसमी, रत्ना, संध्या, भारती, अर्चना आदि उपस्थित रहीं।

रोटरी क्लब ने आयोजित किया शपथ ग्रहण समारोह

■ नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने लिया पदभार

÷Uø संवाददाता ■ सतना

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 12 जुलाई दिन रविवार को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्षों रोटेरियन दिलीप अरोरा,दशरथ अग्रवाल,विनोद गोयल, लखनलाल केसरवानी, डॉ. वी.के. गांधी,सुशील शर्मा,अशोक गुप्ता,शरद पाण्डेय,जितेन्द्र अग्रवाल,

गोपाल धूत,राजीव वर्मा, मनोहर डिगवानी,संतोष गुप्ता एवं रोटेरियन केशव बंसल सहित विशिष्ट अतिथियों का सम्मान तथा प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड्स का वितरण किया गया।

रोटरी की परंपरा के अनुसार निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. सुनील अग्रवाल ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष पीएचएफ नितेश बड़ेरिया को तथा निवर्तमान सचिव पवन गुप्ता ने नव-निर्वाचित सचिव सीए राजीव कुमार अग्रवाल को कॉलर पहनाकर पदभार ग्रहण कराया। इसी क्रम में रोटेरियन वर्धमान जैन ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी रोटेरियन मंकेश्वर नाथ पाण्डेय ने अपने प्रेरणादायी एवं ऊर्जावान संबोधन दिया।

ये रहे मौजूद-समारोह में असिस्टेंट गवर्नर शशांक टंडन,ओसीबी चेयरमैन मुकेश अग्रवाल, डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. विजेता वर्मा, इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष एवं सचिव, रोटरैक्ट क्लब के अध्यक्ष एवं उनकी टीम सहित रोटरी क्लब के वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में सचिव राजीव अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं रोटेरियन सदस्यों इनरव्हील बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रतिभागियों को सिखाए जा रहे रंगमंच के गुर

÷Uø संवाददाता ■ सतना

शहर भर में अपने विभिन्न नाट्य मंचन के माध्यम से दर्शकों को लुभाने वाली रंग साधक सोशल कल्चरल एंड आर्ट फाउंडेशन अपने ग्रीष्मकालीन नाट्य सत्र के समापन के पश्चात, एक नवीन 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का आयोजन 12 जुलाई से बचपन प्ले स्कूल सिविल लाइंस सतना में शुरु कर चुकी है। जिसके माध्यम

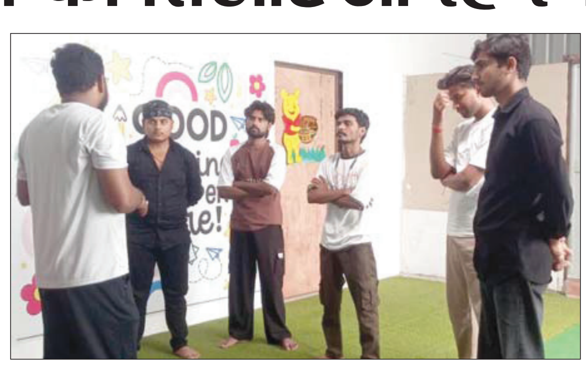

से नवीन प्रतिभागियों को रंगमंच के बहुत से गुर सिखाए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को मध्य प्रदेश स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षकों द्वारा वॉइस, एक्टिंग, योग, और रंगमंच की बहुत सारी विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यशाला के बाद इन नवीन छात्रों के साथ एक नाटक तैयार कर उसका मंचन किया जाएगा। इस कार्यशाला का नेतृत्व अमित कुमार शुक्ल कर रहे हैं, जो एक अनुभवी और प्रेरक प्रशिक्षक हैं। सभी इच्छुक प्रतिभागी इस अनूठी कार्यशाला में जुड़ सकते हैं।

शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए नगर निगम कार्यालय का घेराव

सतना। विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, सतना द्वारा शहर में व्याप्त विभिन्न नागरिक एवं व्यापारिक समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर आज मंगलवार, 14 जुलाई को नगर निगम कार्यालय का घेराव एवं प्रदर्शन किया जाएगा। चेम्बर के महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में सड़क, नाली, सफाई, जल निकासी, पेयजल तथा अन्य जनहित एवं व्यापारिक समस्याओं के संबंध में कई बार निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है, किन्तु अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण चेम्बर ने लोकतांत्रिक तरीके से नगर निगम कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने समस्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों सदस्यो एवं व्यापारियो से अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आग्रह करते हुए कहा कि सभी सदस्य प्रात: 11:30 बजे चेम्बर भवन में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों, जहां से सामूहिक रूप से नगर निगम कार्यालय के लिए प्रस्थान किया जाएगा।

[कार्यक्रम] कविता, शायरी, गायन, वादन, अभिनय और स्टोरी टेलिंग की शानदार प्रस्तुतियों ने जीता दर्शकों का दिल

'द चित्रकूट प्रतिभा' में दिखा हुनर का जलवा, कलाकारों ने बांधा समां

÷Uø संवाददाता ■ सतना

जिले के चित्रकूट की उभरती प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित द चित्रकूट प्रतिभा कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। पहली बार आयोजित इस सांस्कृतिक आयोजन में स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों, संगीत प्रेमियों और बड़ी संख्या में दर्शकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कविता, शायरी, स्टोरी टेलिंग,

अभिनय, गायन और वादन की प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कलाकारों के दमदार प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे आयोजन के दौरान तालियों की गूंज सुनाई देती रही।

आयोजक सुशील पटेल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य चित्रकूट की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान दिलाना और उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पहली ही प्रस्तुति को प्रतिभागियों और दर्शकों का भरपूर सहयोग व सराहना मिली, जिससे भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से आयोजित करने का उत्साह मिला है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने विश्वास जताया कि ऐसे आयोजन चित्रकूट की सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतिभाओं को नई पहचान देने के साथ-साथ युवा कलाकारों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे।

लीनेस क्लब ने आयोजित की एरिया मीट

÷Uø संवाददाता ■ सतना

लीनेस क्लब की एरिया ऑफिसर लीनेस डॉ मनीषा सोई द्वारा क्लब लीनेस, क्लब विंध्य, लीनेस क्लब मेन, लीनेस क्लब मैहर,लीनेस क्लब नागौद के सदस्यों की उपस्थिति में एरिया मीट आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चार्टर सदस्य लीनेस अंजू कटारे , डिस्ट्रिक्ट चीफ़ एड वाइजर ली नेस दीपा घई, पीडीपी लीनेस मीरा अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रही । एरिया ऑफिसर लीनेस डॉ मनीषा सोई ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया । उन्होंने सभी क्लब

से आए सदस्यों को संबोधित भी किया और सभी से बातचीत भी की। इस अवसर पर अंजू कटारे, लीनेस दीपा घई एवं लीनेस मीरा अग्रवाल ने स्कूलिंग द्वारा सभी पदाधिकारियों के कार्यों को सही तरीके से कैसे किए जाए यह समझाया । मंच संचालन एरिया सचिव ली नेस मोनिका कात्याल ने किया व आभार डिस्ट्रिक्ट पीआरओ ज्योति चौरसिया ने जताया।

संक्षिप्त समाचार

जनसमस्याओं को लेकर जयवीर सिंह ने किया जनसम्पर्क

देवतालाब। बसपा के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य जयवीर सिंह सेंगर देवतालाब कस्बे में आम जनसमस्याओं को लेकर गंभीर हो चुके हैं। जनता को मूलभूत सुविधाएँ मिल सके इसके लिये वह सतत प्रयासरत हैं। बताया गया कि देवतालाब मुख्यालय में सब्जी विक्रेताओं, स्थायी एवं छायादार सब्जी मार्केट के निर्माण को लेकर व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। श्री सेंगर ने कहा कि भीषण गर्मी, बारिश एवं अन्य प्रतिकूल मौसम में सब्जी विक्रेताओं को हो रही परेशानियों को देखते हुए देवतालाब मुख्यालय में स्थायी एवं छायादार सब्जी मार्केट का निर्माण कराया जाए, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बाउंड्रीवॉल, पेवर ब्लॉक निर्माण का महापौर ने किया भूमिपूजन

रीवा। नगर पालिक निगम रीवा के जोन क्रमांक 03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 में स्थित रतहरा एवं रतहरी स्कूल में लगभग रुपये 39.31 लाख की लागत से बाउंड्रीवॉल निर्माण, पेवर ब्लॉक निर्माण एवं स्कूल भवन मरम्मत कार्य का भूमिपूजन महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' की उपस्थिति में किया गया। रतहरी स्कूल में वरिष्ठ प्रधानाध्यापक डॉ. उमेश पटेल तथा रतहरा स्कूल में संजय तिवारी ने नारियल फोड़कर भूमिपूजन संपन्न कराया। महापौर बाबा ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिक निगम रीवा शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना विकसित करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती नीतू अशोक पटेल, उपयंत्री शुभम तिवारी, समयपाल केशव पटेल, रामलला यादव, श्रीमती संध्या स्वर्णकार, नीरेंद्र सिंह, पंकज सिंह, संजय चन्दना, अलका वर्मा, सुनीता तिवारी, निर्मला शर्मा, सुनीता वर्मा, गंगा प्रसाद पटेल, मोतीलाल पटेल, राजेन्द्र पटेल, किरण सोंधिया, सुषमा सोंधिया, शीला सोंधिया, उत्तमा अवस्थी एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थलों में गंदगी फैलाने वालों पर लगा 9 हजार का जुर्माना

रीवा। नगर निगम रीवा की स्वच्छता टीम द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 8 स्थित नीम चौराहे पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई। स्वच्छता टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, नालियों में अपशिष्ट डालने तथा सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सीईओ जिपं ने दिए निर्देश

एपीओ त्योथर, सीएफटी उपयंत्री को थमाया नोटिस

■ गौरी ग्राम रोजगार सहायक की सेवा समाप्त करने शोकाज के निर्देश

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

13 जुलाई 2026 को दोपहर 3 बजे से जिला पंचायत रीवा के सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत श्रमिक नियोजन की समीक्षा की गई तथा व्ही.बी. जी राम जी योजना अन्तर्गत कार्य योजना बनाए जाने हेतु सभी समस्तई सरपंच/सचिव/ग्राम रोजगार सहायक को प्रशिक्षण दिलाए जायें। जीआईएस एवं सिपरी सॉफ्टवेयर में ग्राम पंचायतों की कार्ययोजना निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा शेष लंबित योजनाओं को तैयार करने के निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान लंबित कार्यों को 30 जुलाई 2026 तक पूर्ण करने, गैर-अनुमत्य कार्यों पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा गैप फिलिंग एवं पौधारोपण कार्य शासन के निर्देशानुसार पूर्ण करायें। सक्रिय श्रमिकों की समीक्षा में जिन जनपदों की प्रगति कम पाई गई, उन्हें तीन दिवस के भीतर 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करें। वृक्षा रोपण की कार्य योजना ,एक बगिया मॉ के नाम के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए गए। जिनकी प्रगति एक बगिया मॉ के नाम पर कम है उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जावें। एपीओ त्योथर बिना सक्षम स्वीआकृति के समीक्षा बैठक से अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। जिन सीएफटी में व्यय नही हुई है उन संबंधित उपयंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने एवं ग्राम पंचायत गौरी के ग्राम रोजगार सहायक द्वारा शासकीय कार्यो में रूचि नही लिए जाने के कारण सेवा समाप्त की नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

सीएफटी प्रभारी को निर्देशः प्रगति नही होने पर 7 दिवस में मानदेय राजसात करें

गौशालाओं को शतप्रतिशत गौ संवर्धन बोर्ड से पंजीयन कराकर संचालित कराए जाने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नईगढी को निर्देशित किया गया है कि ब्लॉक लेवल बेरिफायर से माध्यम से पुनः सत्यापन का कार्य 02 दिवस मे पूर्ण कराये। आवास प्लस वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 मे स्वीकृति हितग्राहियो के शत् प्रतिशत प्रथम किस्त जारी करने हेतु 03 दिवस मे पूर्ण करने,प्रथम किस्त लम्बित रखे जाने वाले जनपद पंचायत को 01 सप्ताह मे जारी करने के निर्देश दिये गये। धरती आवा के समस्त अपूर्ण आवासो को तत्काल पूर्ण कराये हेतु सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया है। सीएफटी प्रभारी जनपद पंचायत नईगढी को निर्देशित किया गया है कि 07 दिवस मे आवास की प्रगति मे सुधार करते हुए अपूर्ण आवासो को पूर्ण कराये,प्रगति नही होने पर 7 दिवस मे मानदेय राजसात करने के निर्देश दिये गये। सीएफटी प्रभारी जनपद पंचायत हनुमना एवं बीसी आवास हनुमना का समीक्षा बैठक मे अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये है। अटल पंचायत भवन, सामुदायिक भवन की समीक्षा की गई तथा प्रगतिरत कार्यो की 15 दिवस के अन्दयर पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए।

पटवारी पर रिकॉर्ड में हेरफेर का आरोप पिता-पुत्री छठे दिन भी अनशन पर

÷Uø संवाददाता ■ रामबाग

भूमि रिकॉर्ड में कथित हेरफेर के विरोध में जवा तहसील के बाहर पिता-पुत्री का अनशन सोमवार को छठे दिन भी जारी रहा। भनीगवां गांव निवासी भरतलाल चर्मकार और उनकी पुत्री रूपा का आरोप है कि उनकी पैतृक भूमि के खसरे में बदलाव कर दूसरे लोगों के नाम दर्ज कर दिए गए। कई बार शिकायत के बावजूद राजस्व विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पीड़ित परिवार का कहना है कि वर्ष 2007 तक भूमि का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से उनके परिवार के नाम दर्ज था। बाद में कथित रूप से रिकॉर्ड में बदलाव कर अन्य लोगों के नाम चढ़ा दिए गए। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तहसील कार्यालय से दस्तावेज निकलवाए, जिसमें कथित गड़बड़ी सामने आई। परिवार का आरोप है कि शिकायत के बावजूद न तो दोषियों पर कार्रवाई हुई और न ही रिकॉर्ड में सुधार किया गया। इसी के विरोध में वे 8 जुलाई से तहसील कार्यालय के बाहर आमरण अनशन पर बैठे हैं। अनशनकारियों का कहना है कि जब तक निष्पक्ष जांच कर उनकी जमीन का रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं किया जाता और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, समाचार लिखे जाने तक राजस्व विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

मॉडल साइंस कालेज में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में 13 जुलाई 2026 को अपराह्न से स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के महत्व को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालय के वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी अजय कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता की आवश्यकता तथा स्वच्छ वातावरण के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी से अपने घर, महाविद्यालय, कार्यस्थल एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता से संबंधित आकर्षक एवं संदेशपरक चित्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के मध्य पुरस्कार वितरण एवं स्वच्छ भारत के संकल्प को दोहराने के साथ हुआ।

संत नामदेव के महाप्रयाण दिवस पर भंडारे का आयोजन

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

संत शिरोमणि नामदेव महाराज के महाप्रयाण दिवस के पावन अवसर पर 12 जुलाई को शहर के हृदय स्थल बैजू धर्मशाला रीवा में रीवा नामदेव समाज जिला रीवा द्वारा आरती, विचार संगोष्ठी एवं भंडारा प्रसाद का गरिमामय आयोजन किया गया। विचार संगोष्ठी में समाज के वरिष्ठजनों एवं वक्ताओं ने संत नामदेव महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक चिंतन, सामाजिक समरसता, मानव सेवा एवं भक्ति मार्ग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रीवा नामदेव समाज के लगभग 300 समाजजनों की उत्साहपूर्ण एवं गरिमामयी उपस्थिति रही। समाज के सभी वर्गों वरिष्ठजन, युवा एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई, जिससे आयोजन पूर्णतः सफल एवं ऐतिहासिक रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं एवं उपस्थित समाजजनों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रवण नामदेव रीवा नामदेव समाज के संरक्षक, डॉ दिलीप नामदेव, कुंज बिहारी नामदेव, जमुना प्रसाद नामदेव, पदमेंन्द्र नामदेव,गणेश प्रसाद नामदेव, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश नामदेव राजू, उपाध्यक्ष बालमुकुंद नामदेव, विनोद नामदेव सचिव, चंद्र नामदेव ,बैद्यनाथ नामदेव सह सचिव, श्रीनाथ नामदेव कोषाध्यक्ष, रामसुमिरन नामदेव सांस्कृतिक सचिव, विवेक नामदेव ,शेखर नामदेव, कौशल प्रसाद नामदेव, लक्ष्मी प्रसाद नामदेव, राजेश नामदेव रिटायर्ड कार्यपालन यंत्री,रमाकांत नामदेव सहित जिले के कई हिस्सों से समाज के लोग उपस्थित रहे।

बिजली समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार ने सौंपा ज्ञापन

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) रीवा के अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र शर्मा एवं सेमरिया विधायक अभय मिश्रा के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार एवं सिरमौर के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, रीवा के कार्यपालन यंत्री को सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों एवं ग्राम पंचायतों में व्याप्त बिजली संबंधी गंभीर समस्याओं के निराकरण हेतु विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लगातार हो रही बिजली कटौती,कम वोल्टेज, जले हुए ट्रांसफार्मर, जर्जर विद्युत पोल, क्षतिग्रस्त केबल, किसानों की सिंचाई में हो रही कठिनाइयों,नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना तथा हाल ही में लगाए गए ट्रांसफार्मरों की निष्पक्ष जांच कर सर्वे के अनुसार सही स्थानों पर स्थापित किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि सेमरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता लंबे समय से बिजली की अव्यवस्थाओं से परेशान है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज़ बनकर उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचा रही है। यदि समय रहते समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी जनहित में लोकतांत्रिक आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। ज्ञापन सौंपने दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिरमौर अध्यक्ष विष्णु प्रसाद शुक्ला, ब्लॉक संगठन प्रभारी जवा सिद्धनाथ, राजेंद्र शुक्ला, ब्लॉक संगठन प्रभारी मझियार दीपू पंडित, जिला कार्यसमिति सदस्य शिवकुमार तिवारी, विधायक प्रतिनिधि सेमरिया राजू पाण्डेय ऊर्जावान, कार्यालय प्रभारी रामकुमार शुक्ला, जिला कार्यसमिति सदस्य जवाहर लाल द्विवेदी कटकी, मंडलम अध्यक्ष वीरेंद्र द्विवेदी दुग्गवां, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यपालन यंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य स्वागत करेगा विंध्य व्यापारी महासंघ

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा ने बैठक का आयोजन स्टैचू चौक के पास शिव मार्केट में स्थित विंध्य व्यापारी महासंघ के कार्यालय में रखी गई। जिसमें भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा एवं विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा का स्थापना दिवस को मानने को लेकर विशेष बैठक बुलाई गई। जिसमें भव्य स्वागत को लेकर तैयारी की चर्चा की गई । कार्यक्रम हृदय स्थल स्टैचू चौक में रखा जाएगा। हर साल की तरह इस साल की रथ यात्रा निकलेगी, इसलिए व्यापारी भाइयों व श्रद्धालुओं में उत्साह है वह महाप्रभु के दर्शन जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। प्रसाद वितरण में जगन्नाथ स्वामी का प्रसाद कड़ी भात ,फल व दूध से बना मिश्राम्बू शरबत वितरण किया जाएगा। बैठक में सभी विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा के पदाधिकारी व श्रद्धालुओं के साथ बैठक संपन्न हुई जिसमें विशेष रूप से उपस्थित रहे विंध्य व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष नरेश काली,संदीप गुप्ता,पिंटू सोनी,सुधांशु पाठक,मनीष गहोई, अमित ठारवानी, महेश ठारवानी, प्रकाश तरानी दीनानाथ वर्मा, कमलेश सचदेव ,पप्पू मंजानी, रमेश ठारवानी नरेश (नारू) छूगानी, अनिल बुधवानी ,मनोहर मोटवानी, अजय माधवानी,सुरेश पंजवानी, विजय ठारवानी (56 भोग),अनीश खान ,रामेश्वर सोनी,अकरम खान,महेश ठारवानी (गोप), संजय चावला, रोहित पाठक, सुमित कोहली ,राजेश वाधवानी ,विजय ठारवानी ,हरपाल मखीजा, महेश आहूजा ,विनोद पठान, श्याम वाधवानी, लोकचंद मोटवानी, मनीष आहूजा, बाबू मोहनानी, अमित सासवानी ,आरिफ खान, दुली वर्मा, शिबू झामवानी, जीतू रामेजा, जीतू पुरुस्वानी, अमित आहूजा, अमित मखीजा ,सूरज वाधवानी ,दक्ष चुगवानी ,राजा हंसपाल ,अनिल आहूजा ,बाबू चेलानी ,दिलीप ठारवानी, संजय केशवानी बंटू रामचंदानी आदि लोग मौजूद रहे।

निगम आयुक्त ने ली टीएल समीक्षा बैठक

जलभराव,रोड रेस्टोरेशन व दुर्घटनाग्रस्त खुली नालियों पर कवर के दिए निर्देश

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

निगम आयुक्त अक्षत जैन ने सोमवार को निगम सभागार में टीएल समीक्षा बैठक आयोजित कर शहरवासियों से जुड़े विभिन्न जनहितकारी विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में वर्षाकाल के दौरान नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने तथा नगर निगम की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जलभराव, रोड रेस्टोरेशन तथा दुर्घटना संभावित खुली नालियों पर कवर लगाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान निगम आयुक्त ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी नागरिकों से सीधे जुड़कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। प्रत्येक कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ करे। वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त ने निगम के फील्ड इंजीनियरों को निर्देश दिए कि वे अगले दो दिनों के भीतर शहर की सड़कों का भ्रमण कर दुर्घटना संभावित गड्ढों का चिन्हांकन करें तथा प्राथमिकता के आधार पर उन्हें मोटरेबल बनाएं। उन्होंने जोनवार पैचवर्क, ड्रेन कवर एवं ह्यूम पाइप की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन क्षेत्रों की भी समीक्षा की गई, जहां प्रतिवर्ष जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। ऐसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों के स्थायी समाधान हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करें

निगम आयुक्त ने स्कूलों, कॉलेजों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों के आसपास जलभराव की समस्या के त्वरित समाधान, स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवागमन सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे अवैध डेयरी संचालकों, कबाड़ियों एवं अन्य व्यक्तियों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जो सड़कों, नालियों अथवा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाकर जनस्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहर के अत्यंत व्यस्त हॉस्पिटल चौक पर बढ़ते यातायात दबाव एवं भीड़ को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आयुक्त ने निर्देश दिए कि माह के अंत तक नगर निगम मुख्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों में फाइलों का संचालन शत-प्रतिशत ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाए। साथ ही, स्थानांतरित अथवा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ई-ऑफिस आईडी तत्काल निष्क्रिय करने तथा सभी प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ई-नगरपालिका पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

रीवा का पहला डे-नाइट क्रिकेट क्लब शुरू

■ खिलाड़ियों को मिलेगी आधुनिक प्रशिक्षण सुविधा

÷Uø संवाददाता ■ रीवा

शहर के सुंदर नगर बोदाबाग में लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब का भव्य उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद वार्ड क्रमांक 9 सतीश सिंह रहे। इस अवसर पर राजीव सिंह शेरा, शिवराज सिंह परिहार, अभिषेक नामदेव, रिंकू सिंह,प्रवीण सिंह, मयंक पांडे ,राहुल भारती, ऋषभ वर्मा एड., राजीव सिंह, रवि तिवारी, राजमणि विश्वकर्मा, विनायक पटेल, विवेक पटेल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्रिकेट कोच इंद्रदेव भारती स्वामी एवं शुभम मिश्रा की भी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि सतीश सिंह ने कहा कि लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब रीवा का पहला डे-नाइट क्रिकेट क्लब है, जहाँ अब लड़के और लड़कियाँ आधुनिक फ्लडलाइट की सुविधा के साथ रात में भी क्रिकेट का नियमित अभ्यास कर सकेंगे। उन्होंने क्लब में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। वर्तमान में क्लब में लगभग 50 से 60 खिलाड़ी नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस क्लब की शुरुआत पहले बोदाबाग स्थित एक घर के आंगन से हुई थी, लेकिन खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या और बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए अब इसे सुंदर नगर में आधुनिक स्वरूप के साथ स्थापित किया गया है।

क्लब ने दिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी

सतीश सिंह ने कहा कि इस क्लब ने रीवा को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी शुचि उपाध्याय एवं अंडर 15 एमपी बोर्ड प्लेयर जानवी राजपूत और रणजी प्लेयर मुस्कान विश्वास ने भी अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत इसी क्लब से की थी और आज देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। यह क्लब क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डे-नाइट अभ्यास सुविधा शुरू होने से अब रीवा के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए इंदौर या मुंबई जैसे बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह क्लब स्थानीय खिलाड़ियों को अपने ही शहर में उच्च स्तर का प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा और भविष्य में रीवा से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी तैयार होंगे।

संपादकीय

ई-20 पेट्रोल पर बवाल

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण को लेकर देशभर में बहस तेज हो गई है। एक ओर जहां सरकार इसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता, विदेशी मुद्रा की बचत और प्रदूषण में कमी की दिशा में उठाया कदम बता रही है, वहीं दूसरी ओर पुराने वाहनों के मालिक माइलेज में गिरावट और इंजन से जुड़ी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। नीति आयोग, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और वाहन निर्माताओं के ओनर मैनुअल में मौजूद अलग-अलग दावों ने आम उपभोक्ता की उलझन और बढ़ा दी है।

नीति आयोग की रिपोर्ट, भारत में एथेनॉल सम्मिश्रण 2020-25, के अनुसार ई20 ईंधन के उपयोग से देश को हर वर्ष करीब 30 हजार करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दोपहिया वाहनों से निकलने वाला कार्बन मोनोऑक्साइड उत्सर्जन 30 से 50 प्रतिशत तक कम हो सकता है। हालांकि आयोग ने यह भी स्वीकार किया है कि ई20 के उपयोग से वाहनों के माइलेज में लगभग तीन से सात प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। एआरएआई की तकनीकी रिपोर्टों के अनुसार, जिन वाहनों को 10 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रित ईंधन के लिए डिजाइन नहीं किया गया है, उनमें रबर पाइप, गैसकेट, सील और फ्यूल सिस्टम के अन्य हिस्सों के समय से पहले खराब होने की संभावना रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एथेनॉल नमी को आकर्षित करता है, जिससे पुराने इंजनों में जंग और फ्यूल सिस्टम से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। मारुति, टोयोटा और हीरो जैसी कंपनियों के पुराने ओनर मैनुअल में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का उपयोग इंजन के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है और कुछ परिस्थितियों में वारंटी पर भी असर पड़ सकता है। दूसरी ओर कंपनियां सार्वजनिक रूप से ई20 ईंधन को सुरक्षित बता रही हैं। इसी विरोधाभास को लेकर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों से जवाब भी मांगा है।

उधर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विशेषज्ञों का दावा है कि पांच से छह वर्ष पुराने वाहनों के इंजन पर एथेनॉल विपरीत असर डाल रहा है, लेकिन नए इंजन वाली गाड़ियां पूरी ऊर्जा के साथ रफ्तार भर रही हैं और उन पर किसी तरह का खास असर नहीं है। हीवेट पॉलिटेक्निक में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रभारी एमपी सिंह के अनुसार, पुराने इंजनों में सामान्य पेट्रोल की जगह एथेनॉल मिश्रित ईंधन का इस्तेमाल इंजन के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा रहा है। पुराने इंजन, खासकर बीएस-4, 100 प्रतिशत पेट्रोलियम आधारित ईंधन के लिए डिजाइन किए गए हैं। इससे इंजन के कई पार्ट्स प्रभावित हो रहे हैं। रिसर्चर प्रोफेसर डॉ. शुभम शर्मा का कहना है कि ई20 एथेनॉल नीति भारत की ऊर्जा सुरक्षा, डीकार्बोनाइजेशन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से जो इंजन ई20 ईंधन के अनुकूल नहीं हैं, उनमें नमी के कारण जंग, रबर और सीलिंग पार्ट्स की खराबी, इंजेक्टर और फ्यूल पंप पर असर तथा कम ऊर्जा घनत्व के कारण माइलेज में कमी जैसी समस्याएं आ सकती हैं। उन्होंने बताया कि सर्दियों में ई20 ईंधन के कारण स्टार्टिंग और क्रैंकिंग में भी अधिक समय लग सकता है। उनका मानना है कि बेहतर इंजन डिजाइन, एथेनॉल-फ्रेंडली सामग्री और उन्नत फ्यूल सिस्टम इन चुनौतियों का समाधान हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बीएस4 और उससे पहले के कई वाहन ई20 ईंधन के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं, जिससे उनके कुछ कंपोनेंट्स पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वहीं 2023 के बाद आने वाले अधिकांश बीएस6 वाहनों में एथेनॉल-फ्रेंडली रबर, एल्युमिनियम और अन्य पार्ट्स का इस्तेमाल किया गया है। ऐसे वाहन ई20 ईंधन के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार किए गए हैं।

'पीओके' की आजादी की आवाज लंदन पहुंची

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

पाक अधिकृत जम्मू-काश्मीर अशांत है और वहां जनाक्रोश दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। पिछला पूरा पखवाड़ा पीओजेके, गिलगित और बाल्टिस्तान में हड़ताल, रास्ता रोको और प्रदर्शनों में बीता है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की खास बात यह रही कि बाजारों में दुकानों के शटर गिरे रहे। कल तक जो आंदोलन मंहगाई, सब्सिडी और सुविधाओं को लेकर हुआ करता था, अब पाकिस्तान के कब्जे, प्रशासनिक नियंत्रण और सैन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवाज में तब्दील हो गया है। आंदोलन के दमन के लिये पाकिस्तान की हुकूमत ने गिरफ्तारी, छापों और गोलियों की बौछार का सहारा लिया है। बिगड़ते हालात पर काबू के लिये उसने इलाके में करीब चौदह हजार पुलिसकर्मी तैनात किये हैं और आंदोलनकारी नेताओं की सुरागकशी के लिये एक करोड़ रूपयों के ईनाम का ऐलान किया है। इस्लामाबाद के लिये डर और फिक्र का सबब यह है कि मीरपुर, रावलकोट और मुजफ्फराबाद की सभाओं में अब वी वान्ट फ्रीडम और गो बैक पाकिस्तान के नारे लगने लगे हैं।

इसमें शक नहीं कि सिंतबर, सन 2023 में ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के गठन के बाद समूचे इलाके में न सिर्फ आंदोलन में विस्तार और तेजी आई है, वरन अब उसकी नली पाकिस्तान के हुक्मरान की ओर मुड़ गई है। अब तक आंदोलन की कमान शौकत नवाज मीर, सरदार उमर नजीर, ख्वाजा मेहरान अर्शद, हफीज हमदानी और इम्तियाज असलम जैसे नेताओं के हाथों में रही है, लेकिन इधर सरदार अमन खान सर्वप्रमुख और मुखर नेता के तौर पर उभरे हैं। अमन खान तुर्श जुबां नेता हैं। हाल में रावलकोट की सभा में उन्होंने ज़ालिम निजाम को शिकस्त देने की अवाम से अपील की। अमन मानते हैं कि इलाके में पाक-फौज की मौजूदगी जरूरी नहीं है। भारत के साथ व्यापारिक रिश्ता खोलने के साथ-साथ वह यह भी कहते हैं कि भारत के साथ रिश्ता कैसा हो, यह इस्लामाबाद नहीं, वरन हम तय करेंगे।

स्पष्ट है कि पाक अधिकृत क्षेत्र में अवाम की सोच में वक्त के साथ परिवर्तन आ रहा है। जनता की मांगें अब बिजली कटौती, मंहगाई कम करने या सस्ता गेंहू मुहैया करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अब अपनी तकदीर की इबारतें खुद लिखने को बेताब हैं। वे मानते हैं कि पाकिस्तान ने इलाके को बेतरह लूटा है। उसे काश्मीरियों से नहीं, वरन इलाके की जमीनों-जायदाद से सरोकार है। सभाओं और जुलूसों में दिलचस्प तौर पर इंकलाब जिंदाबाद के नारे तो लगते ही हैं, %दहशतगर्दी के पीछे वर्दी% जैसी तीखी सेना विरोधी बातें और तोहमतें भी सुनी जाती हैं। सामूहिक सोच में आये इस काबिले गौर परिवर्तन के पीछे संचार साधनों का बड़ा हाथ है। इंटरनेट की आमद ने इलाके के लोगों तक जम्मू-काश्मीर के मेनलैण्ड की तस्वीर पहुंचाने का काम किया है। जम्मू काश्मीर में रेल सेवा, टनलिंग, हवाई अड्डों, अस्पतालों, सड़कों और अन्य सुविधाओं के आगमन ने अधिकृत क्षेत्र के लोगों को अपनी दशा और दिशा के बारे में नये सिरे से सोचने को बाध्य किया है।

यह व्यापक प्रतिरोध का ही नतीजा है कि हालात पर काबू पाने में प्रशासन के हाथ-पाँव फूल रहे हैं। पिछले दिनों बिंबर से मुजफ्फराबाद तक के कूच से प्रशासन की पेशानी पर पसीना चुह चुहा आया। असंतोष चौतरफा और इतना घना था कि दमन और हिंसा के नजारे देखने को मिले। कम-अज-कम दो दर्जन नागरिक, ठौर मारे गये और लगभग 500 आहत हुये। बदले में भड़की हिंसा में चार पुलिसकर्मी मरे और अनेक घायल। सूचनाओं के मुताबिक हालात दिनोंदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। उधर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनवा में भी असंतोष ऊफान पर है। अधिकृत क्षेत्र में स्वायत्तता और अधिकारों की मांग का असर सीमांत क्षेत्र पर भी पड़ रहा है। लेकिन आंदोलनकारियों से वार्ता के मूड में इस्लामाबाद नजर नहीं आता। उसने दमन का हथियार चुना है और ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी को आतंकवादी संगठन घोषित कर अपने इरादों का संकेत दे दिया है। इधर पीओके में आवाम की आजादी की आवाज सात समुंदर पार विलायत तक पहुंच गयी है। पार्लमेंट स्वे यर से पाक-उच्चायोग तक निकले इस कूच को संबोधित करते हुये महमूद कश्मीरी ने कहा कि हम पाकिस्तान के सामने घुटने नहीं टकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने आजादी के समर्थन में नारे लगाए और जाइंट अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की। देखना होगा कि अवाम की सोच में बदलाव बगावत की शक्ल अख्तियार करेगा या नहीं?

संतुलन ही मनुष्य को परिपक्व बनाता है, भीतर का मौन सुनिए

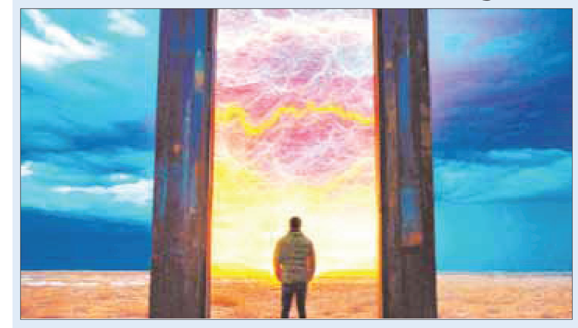

मनुष्य अपने भीतर दो संसार लेकर चलता है। एक संसार वह जो दिखाई देता है और जिसे लोग उसके नाम, काम, परिवार, सफलताओं और असफलताओं के रूप में जानते-पहचानते हैं। दूसरा संसार अदृश्य है। वहां कोई दर्शक नहीं होता। वहां केवल मनुष्य और उसका मौन होता है। वहीं उसके वे प्रश्न भी रहते हैं, जिन्हें उसने कभी किसी से जाहिर नहीं किया, वे सपने जिन्हें उसने परिस्थितियों के कारण दबा दिया, वे भय जिन्हें वह मुस्कान के पीछे छिपा लेता है और वह सूक्ष्म पुकार जो उसे बार-बार याद दिलाती है कि उसका जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों का हिसाब नहीं है। लोग अक्सर पहले संसार को संवारने में इतने मशगूल हो जाते हैं कि दूसरा संसार धीरे-धीरे अंधेरे में डूबता जाता है। वे घर बनाते हैं, पर अपने भीतर लौटने का कोई घर नहीं बनाते। वे सम्मान कमाते हैं, पर आत्म-सम्मान खो देते हैं। वे सबकी अपेक्षाएं पूरी करते हैं, पर अपनी आत्मा की सबसे छोटी इच्छा भी सुन नहीं पाते। एक दिन वे पीछे मुड़कर देखते हैं और पाते हैं कि उन्होंने जीवन तो बहुत जिया, पर खुद को बहुत कम जाना।

अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं कि शांति क्या पहाड़ों, जंगलों में मिलती है, या फिर किसी आश्रम में। मैं कहता हूं यदि तुम्हारे भीतर अशांति है, तो तुम उसे हर जगह साथ ले जाओगे। और यदि तुम्हारे भीतर शांति है, तो बाजार का शोर भी उसे नष्ट नहीं कर सकेगा। स्थान बदलने से पहले चेतना बदलनी पड़ती है। जीवन ने मुझे सिखाया है कि मनुष्य अपने भीतर के अंधकार से डरता है। इसलिए वह लगातार बाहर के शोर में उलझा रहता है। मौन उसे भयभीत करता है, क्योंकि मौन में वह स्वयं से मिलता है। लेकिन उसी मौन में वह दरवाजा भी है, जिसके पार आजादी है। जो अपने भीतर के भय को देखने का साहस करता है, वही अंततः उससे मुक्त होता है। इसलिए अपने भीतर की आवाज और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच कभी भी युद्ध नहीं होने देना चाहिए। यदि आत्मा हमें करुणा सिखाती है, तो वह व्यवहार में दिखनी भी चाहिए। यदि हमें सत्य प्रिय है, तो वह केवल विचारों में नहीं, फैसलों में भी झलकना चाहिए। यदि भीतर प्रेम है, तो वह केवल भावना बन कर ही न रह जाए, वह संबंधों में भी सांस ले। मनुष्य उस वक्त विभाजित हो जाता है, जब उसका भीतर कुछ और चाहता है और वह बाहर कुछ और जीता है। यह विभाजन धीरे-धीरे थकान, निराशा और निरर्थकता के भाव को जन्म देता है। इसके विपरीत, जब भीतर का सत्य बाहर के जीवन में उतरने लगता है, तब साधारण काम भी अर्थपूर्ण लगने लगते हैं। यहां पूर्णता का अर्थ यह नहीं कि भीतर कोई संघर्ष न रहे। पूर्णता का अर्थ यह है कि हम अपने संघर्षों के साथ भी एक हो जाएं। अपने भीतर के मौन को सुनें, लेकिन संसार की पुकार से भी मुंह न मोड़ें। अपने स्वप्नों को बचाए रखें, लेकिन उन लोगों का हाथ भी थामे रखें, जो हमारे साथ चल रहे हैं। यही संतुलन मनुष्य को परिपक्व बनाता है।

युद्ध विराम के बाद युद्ध

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं तो दूसरी तरफ ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम खत्म हो चुका है। यद्यपि ट्रम्प बार-बार यह बयान दे रहे हैं कि युद्ध विराम खत्म हो चुका है, ?फिर भी ईरान से बातचीत जारी रखेंगे। ईरान की आईआरजीसी ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है और ईरान का कहना है कि उसे अब एकतरफा समझौता स्वीकार नहीं है। कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन, जार्डन में ईरान के ताजा हमलों ने खाड़ी देशों में एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है।

ईरान ने दावा किया है कि उसने जार्डन के एयरबेस को तबाह करके रख दिया है। बहरीन और कुवैत में बिजली सप्लाई केन्द्रों पर ईरानी हमलों से वहां के शहर अंधकार में डूब चुके हैं। अमेरिका लगातार ईरान के बंदर अब्बास केश्म द्वीप, चाबहार बंदरगाह और ईरान के मिसाइल व ड्रोन रखने वाली जगहों पर बम बरसा रहा है। कुल मिलाकर युद्ध का एक नया चरण शुरू हो चुका है और यह चरण दोनों पक्षों के अहंकार और विनाश का युद्ध है। ईरान में खामेनेई के पार्थिव शरीर को ईमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जा चुका है। अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने के लिए एक करोड़ से अधिक लोग सड़कों पर आए।

अमेरिका और इजराइल को लगा था कि ईरान के लोग खामेनेई शासन से नफरत करते हैं और वे पूरी तरह से बगावत पर उतर आएंगे लेकिन अमेरिकी हमलों ने सत्ता के विरुद्ध आक्रोश को खत्म कर उसे सत्ता समर्थक क्रांति में बदल दिया। ईरान की जनता में ट्रम्प और नेतन्याहू के खिलाफ आक्रोश इतना बढ़ चुका है कि वे ट्रम्प की हत्या का संकल्प ले रहे हैं। इसके साथ ही नए संघर्ष की जमीन तैयार हो चुकी है। होर्मुज का रास्ता व्यापार के साथ-साथ वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए भी महत्वपूर्ण है। होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो सप्लाई चेन अवरुद्ध हो जाएगी, जो कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए नुक्सानदेह साबित होगी। ईरान चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण बना रहे। अमेरिका और ईरान में हुए समझौते में तीन प्रमुख अड़चनें थीं।

लेबनान से इजराइली फौजों की वापसी, ईरान की जब्त की गई सम्पत्तियों को लौटाना और होर्मुज स्ट्रेट की स्थि ति। ईरान ने समझौते के बाद होर्मुज तट के किनारे एक सुरक्षित मार्ग खोल दिया था। जबकि अमेरिका ओमान तट के किनारे एक वैकल्पिक मार्ग को खोलने के पक्ष में था। ईरान को डर है कि अमेरिका वैकल्पिक मार्ग को बढ़ावा देकर युद्ध के दौरान जलडमरूमध्य पर स्थापित उसके प्रभाव को छीनने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान एक इंडियानापोलिस जलमार्ग का एकमात्र संरक्षक बन उभरे। इन परस्पर विरोधी विचारधाराओं के कारण टकराव होते हैं जिससे समझौता ज्ञापन और कमजोर हो जाता है। इंडियानापोलिस हार को भांपते हुए ट्रम्प तेहरान पर आर्थिक और सैन्य दबाव, जलडमरूमध्य पर अपना रुख बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

वे अपना हवाई अभियान जारी रख सकते हैं, लेकिन वर्षों से जारी उनके अधिकतम दबाव और 40 दिनों की बमबारी से ईरान की वार्ता की स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। अगर वे होर्मुज को लेकर युद्ध की ओर लौटते हैं तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पर रुख (जो अभी तक अनसुलझा है) और भी कठोर हो जाएगा। अब ईरान परमाणु बम बनाने की तैयारी कर रहा है। रक्षा विशेषज्ञों को आशंका है कि वह परमाणु अप्रसार संधि से भी बाहर आ सकता है। हालात ईरान को परमाणु बम बनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उत्तर कोरिया भी 1985 में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने परमाणु परीक्षण किए और परमाणु बम भी बना लिए। उसने 2003 में एनटीपी को छोड़ दिया। अब वह लगातार घातक मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है।

अमेरिका और यूरोपीय देश आज तक उत्तर कोरिया का कुछ बिगाड़ नहीं पाए। अमेरिका ईरान के प्रमुख परमाणु केन्द्रों को तबाह करने पर अमादा है ले किन अभी तक उसे कोई सफलता नहीं मिली है। संयुक्त राष्ट्र और आईएईए ईरान को परमाणु बम बनाने से नहीं रोक सकते।

अगर युद्ध फिर से शुरू होता है तो यह पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बुरी खबर होगी। श्री ट्रम्प एक इंडियानापोलिस गतिरोध पर हैं और स्थिति को और कठोरता के बजाय उन्हें अपने समाधान के रोडमैप (समझौता ज्ञापन) पर ही टिके रहना चाहिए। शांति प्रक्रिया में एक बड़ी बाधा विश्वास का पूर्ण अभाव है।

श्री ट्रम्प द्वारा ईरान के नेतृत्व के खिलाफ सार्वजनिक रूप से की गई जमीनी बयानबाजी और धमकियां, जो जमीनी हकीकत से परे हैं, उनके पक्ष में कोई योगदान नहीं दे रही हैं। इसी प्रकार यदि ईरान वाणिज्यिक जहाजों पर हमले जारी रखता है तो उसे पीड़ित के बजाय हमलावर के रूप में देखा जा सकता है। दोनों पक्षों को विश्वास की कमी को दूर करना चाहिए, समझौता ज्ञापन में आवंटन मुद्दों का समाधान करना चाहिए और अंतिम समझौते के लिए आवंटन मुद्दों पर गंभीर बातचीत शुरू करनी चाहिए।

चातकों की मानसून

संतोष उत्सुक

बरसात का मौसम स्वार्थी इंसान को प्रबंधन सीखने को बार बार प्रेरित करता है लेकिन खुद को विकास के सीमेंट में नाक तक दबा चुके इंसान को पता नहीं चल रहा कि अब क्या करे। हर बरस शासन और प्रशासन के प्रबंध ध्वस्त होते रहे हैं। कई साल पहले से देश के मौसम विज्ञानी मानसून की उलझी गुत्थी सुलझाने के लिए पक्षियों को पटाने की कोशिश करते रहे हैं। निश्चित रूप से यह वैसा ही है खुद अपना स्वास्थ्य बिगाड़कर पारम्परिक इलाज की शरण में जाएं। भुलाए जा चुके चातक पक्षियों को फुसलाकर उनके शरीर पर अत्याधुनिक ट्रांसमीटर चिपका कर कोशिश कर रहे हैं ताकि चालाक इंसान को उनके प्रवास का पता चलता रहे।

व्यंग्य

खुद बिगाड़े वर्षा और जल प्रबंधन को बिसराकर नैनो तकनीक और दूर संवेदी उपग्रहों की मदद से मानसून के पारम्परिक अग्रदूत चातकों को ट्रैक किया जा रहा है। पक्षियों को परेशानी हो तो हो, वो तो धरती पर आए ही मानव सेवा के लिए। चतुर व स्वार्थी इंसान द्वारा कुदरत को असीमित नुक्सान पहुंचाने के बावजूद भी चातक ने अपना आचरण व व्यवहार नहीं बदला। उनका मूल चरित्र ही ऐसा नहीं है। वे हर बरस दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में मानसून के साथ वे उत्तरी भारत में दस्तक देते हैं और मानसून खत्म होते होते वापिस हो लेते हैं। क्या राजनीतिक वैज्ञानिक, आर्थिक, सामाजिक चिंतक व मानसून वैज्ञानिक इस बात को समझते हैं या समझना नहीं चाहते कि कुदरती जलवायु संतुलन क्या है और इसे कैसे बरकरार रखा जा सकता है, जलवायु परिवर्तन में विकास और वृक्षों की क्या भूमिका है।

वक्त ने करवट ली है इस बार तो मानसून ने भी पुरानी रिवायतें तोड़ दी हैं। प्रकृति के बच्चे चातक पक्षी समझा सकते हैं कि मानसून के साथ प्रकृति का क्या पारम्परिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध है। इस साल आशंकित बाढ़ का पानी, वफ़ादारी की मानसून को फिर ढूंढेगा। बरसों पहले एक सरकारी बजट में वफादारी के लिए जाने जाने वाले कुत्तों को खिलाए जाने वाले बिस्कुट सस्ते किए गए थे, लगता है फिर से वैसा करने की ज़रूरत है। उन बिस्कुटों को ज्यादा आकर्षक, स्वादिष्ट, सुरक्षित घोषित कर बिगड़े हुए इंसान को नियमित समय पर खिलाए जाने चाहिए ताकि कुदरत के प्रति वफादारी की संभावनाएं इंसानी शरीर में पुन पनप सके। होशियार आदमी पानी का उचित प्रबंधन करना ही नहीं चाहता। उसके सामने बाढ़ होती है और वह स्वार्थों की आड़ में छिपा रहता है। चातक इंसान को मानसून प्रबंधन में सहयोग करेगा तो निश्चित ही अगली इंसानी परियोजना यह होगी कि ऐसा कौन सा पक्षी है जो स्पष्ट उपाय बता सके कि बाढ़ को आने से कैसे रोका जा सकता है क्यूंकि इंसान द्वारा किए जा रहे सभी उपाय हमेशा बाढ़ में बहते रहे हैं। लगता है तकनीक और विज्ञान ज्यादा हो रहा है तभी पक्षियों से सीखने के दिन आ गए हैं।

कोई हमदम ना रहा, कोई सहारा ना रहा, हम किसी के ना रहे...

60 के दशक में एक फिल्म आई थी झुमरू जिसका निर्माण और संगीत खुद किशोर कुमार ने दिया था इस फिल्म का मजरूह सुल्तानपुरी का लिखा बहुत ही मशहूर दुखद गीत था कोई हमदम ना रहा कोई सहारा ना रहा हम किसी के ना रहे कोई हमारा ना रहा ये गीत आज भी लोगों की जुबान पर है और अपने ख्याल से ये गाना पूर्व गृहमंत्री पंडित नरोत्तम मिश्रा जी पर पूरी तरह से सटीक बैठ रहा है। एक बार चुनाव हारे पर हिम्मत नहीं हारी, कोशिश में लगे रहे कि राज्यसभा में मौका मिल जाएगा, या फिर संगठन में बड़ी पोस्ट पर पोस्टिंग हो जाएगी या फिर निगम मंडलों में अध्यक्ष बन जाएंगे, कैबिनेट रैंक का दर्जा भी मिल जाएगा, लेकिन कहते हैं ना जब वक्त खराब आता है तो सारे पांसे उल्टे पड़ जाते हैं, कुछ नहीं हुआ आस निराश भई इस बीच दतिया का उपचुनाव आ गया अब भाई साहब ने तय कर लिया कि एक बार फिर दतिया में अपनी किस्मत आजमाएंगे। पूरे प्रदेश में यही चर्चा थी कि दतिया से भारतीय जनता पार्टी अपने पुराने और दमदार नेता नरोत्तम मिश्रा को ही प्रत्याशी बनाएगी, भाई साहब ने लोगों से मिलना जुलना भी शुरू कर दिया पुरानी जो गलतियां थीं उनके लिए सॉरी भी कहना शुरू कर दिया, फार्म भी ले आए । प्रदेश ने भी एक नाम हाई कमान को भेज दिया और वो नाम था पंडित नरोत्तम मिश्रा का। सारी तैयारी थी चुनाव लड़ने के लिए मिश्रा जी ने कमर कस ली थी अपने चेलों को तैयार कर दिया था कि जैसे ही नाम की घोषणा हो प्रचार में जुट जाना लेकिन उन्हें क्या पता था कि किस्मत एक बार फिर उन्हें दगा दे जाएगी, ऊपर वालों ने सर्वे करवाया और पता लगा कि पंडित जी की स्थिति कमजोर है और कमजोर पर दांव लगाना भारतीय जनता पार्टी को गवारा नहीं है तुरंत ही तीन नाम का पैनल भेजने के निर्देश हुए और रातों-रात पंडित मिश्रा की जगह पंडित तिवारी ने ले ली, बहुत बड़ा झटका था मिश्रा जी के लिए इसलिए उनके समर्थक सड़कों पर आ गए तोड़फोड़ शुरू कर दी टिकट बदलो, टिकट बदलो, के नारे लगने लगे लेकिन ये कोई कांग्रेस तो है नहीं जो किसी ने दम दी और टिकट बदल जाए । हाई कमान ने साफ कर दिया यहां इन सब

नौटंकियों से टिकट नहीं बदली जाती, कल तक गृह मंत्री के रूप में पूरी प्रदेश की पुलिस उनके अधीन होती थी वहीं पुलिस उनके समर्थकों पर लाठी और आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी । यही है समय का फेर, कभी कमलनाथ की कांग्रेस सरकार गिराने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले पंडित मिश्रा जी एक टिकट नहीं पा सके इसलिए बीआर चोपड़ा की फिल्म वक्त का ये गीत हमेशा याद रखना चाहिए आदमी को चाहिए वक्त से डर कर रहें कौन जाने किस घड़ी वक्त का बदले मिजाज और अब तो सचमुच मिश्रा जी के लिए यही दो गाने सबसे सटीक हैं अब ना तो कोई उनका हमदम रहा और ना ही कोई सहारा ना वे किसी के लिए उपयोगी रहे और कोई उनके लिए उपयोगी नहीं रहा।

छह लाख दो अपना नाम कटाओ

मध्यप्रदेश सरकार ने एक बार फिर 3600 करोड़ का नया कर्ज़ा उठा लिया है। इसे मिलाकर प्रदेश पर कुल कर्ज बढ़कर 5 लाख करोड़ रुपए से ऊपर निकल गया है। सरकारों द्वारा कर्ज लिया जाना एक? स्वीकृत व्यवस्था है जिसके केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत मापदंड हैं। प्रदेश सरकारें इन्हीं मापदंडों के आधार पर कर्ज उठाती रहती हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र क्रमशः साढ़े नौ लाख करोड़ और आठ लाख करोड़ के क़र्ज़ के साथ सबसे ज्यादा कर्जदार राज्यों में शुमार हैं मगर वे देश के सबसे विकसित राज्यों में भी आते हैं। क़र्ज़ आखिरकार क़र्ज़ है और इसकी ब्याज समेत अदायगी वित्तीय संसाधनों पर दबाव डालती है।

2011 की जनगणना के आधार पर मध्य प्रदेश की कुल आबादी सवा सात करोड़ के लगभग थी। 2021 में कोविड त्रासदी के कारण नहीं हो पाई, जनगणना की प्रक्रिया 2026 में फिर प्रारंभ हुई है। जनगणना विशेषज्ञों द्वारा प्रोजेक्टेड आंकड़ों के अनुसार प्रदेश की वर्तमान जनसंख्या लगभग 9 करोड़ होने का अनुमान है। उस अनुपात में मध्य प्रदेश राज्य में वर्तमान प्रति व्यक्ति क़र्ज़ का आंकड़ा लगभग 6 लाख रुपए बैठता है जबकि इकानामिक सर्वे बताता है कि राज्य की वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 1.69 लाख रुपए है।

इस मामले में पुराने कांग्रेसी नेता स्व. नरेंद्र महीधर याद आते हैं जिन्होंने अखबार में पढ़ा था कि प्रदेश के हर व्यक्ति पर उस वक्त के हिसाब से शायद एक सौ बीस रुपए का कर्ज था उन्होंने तुरंत उस राशि का एक चेक बनवाया और सरकार को भेज कर कहा अब मेरा नाम कर्जदारों की लिस्ट से अलग कर दो ।चुनाव के समय करोड़ों की संपत्ति घोषित करने वाले नेता जरूर चाहें तो ऐसी हिम्मत दिखा सकते हैं। अपनी तो धनवानों से भी यही सलाह है कि छह लाख दो और अपना नाम कर्जदारों की लिस्ट से कटवा लो

ममता से ममता रूठी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी चुनाव में हारी है तब से उनके ही तमाम नेताओं की ममता जो बरसों तक ममता जी के साथ थी वही ममता आज ममता के खिलाफ होकर ममता से अलग हो गई । राजनीति भी बड़ी अजब चीज है जो भी राजनीति में आता है, नेता बनता है उसका सिर्फ एक ही उद्देश्य होता है सत्ता की मलाई चखना बरसों तक वे सत्ता की मलाई चाटते रहते हैं लेकिन जैसे ही सत्ता में रहने वाली उनकी पार्टी चुनाव हार जाती है वे तत्काल पाला पलट कर वहां चले जाते हैं जहां उन्हें फिर से उन्हें मलाई मिलने वाली है । अब तो ममता बनर्जी पर दया भी आने लगी है अब तो ममता बनर्जी पर दया भी आने लगी हैजो कभी बेहद खास और विश्वास पात्र रहे वे भी ऐसी पलटी खा रहे हैं जिसका कभी दीदी को अंदाजा भी ना रहा होगा, वैसे दीदी को यह समझना होगा कि राजनीति में यह आम बात है ,हो सकता है भविष्य में जब कभी दीदी फिर सत्ता में आए तो यही सब भगोड़े फिर से दीदी की चरण वंदना में लग जाएंगे लेकिन वह वक्त कब आएगा ये तो वक्त ही बता पाएगा।

सुपर हिट ऑफ द वीक

तुम्हे मेरी आवाज से बहुत परेशानी हैं तो सुन लो आज के बाद तुम मेरी आवाज नहीं सुनोगे श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

क्यों क्या तुम गूंगी होने वाली हो श्रीमान जी ने पूछा

नहीं मैं तुम्हे बहरा बनाने वाली हूँ श्रीमती जी ने उत्तर दिया।

आषाढ़ी अमावस्या पितृ कार्य और दान-पुण्य का विशेष महत्व

ग्वालियर। आषाढ़ की अमावस्या 14 जुलाई, मंगलवार को मनाई ग ी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन पितृ कार्य, तर्पण, श्राद्ध, दान-पुण्य और आध्यात्मिक साधना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद-हिमांशु जैन ने बताया कि आषाढ़ी अमावस्या पर पितृ दोष निवारण, कालसर्प योग की शांति तथा पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति के लिए विशेष पूजा-अनुष्ठान किए जाते हैं। इस दिन विधि-विधान से तर्पण और श्राद्ध करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है और रुके हुए कार्यों में सफलता मिलने की मान्यता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अमावस्या के दिन प्रातःकाल स्नान कर जल में काले तिल मिलाकर पितरों का तर्पण करना शुभ माना गया है। गंगा अथवा किसी पवित्र नदी में स्नान करने तथा जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और अन्य उपयोगी सामग्री का दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आषाढ़ी अमावस्या पर पीपल के वृक्ष की पूजा, जल अर्पित करने और 108 परिक्रमा करने का भी विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इससे शनि एवं पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। वहीं, गाय को चारा, श्वानों को रोटी तथा कौवों सहित पक्षियों को दाना खिलाना भी पितरों की प्रसन्नता का माध्यम माना जाता है।

सीताराम विवाह महोत्सवः भक्तिरस में सराबोर हुए श्रद्धालु

समाधिया कॉलोनी स्थित प्राचीन शिव धाम मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के छठवें दिन सोमवार को सीताराम विवाह महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कथा व्यास पं. योगेश देशपांडे ने भगवान श्रीराम एवं माता सीता के दिव्य विवाह प्रसंग का भावपूर्ण एवं संगीतमय वर्णन करते हुए इसे आदर्श दांपत्य, धर्म, प्रेम, मर्यादा और पारिवारिक संस्कारों का सर्वोच्च उदाहरण बताया। कथा के दौरान भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह प्रसंग का सजीव चित्रण सुनकर श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर हो गए। पूरे मंदिर परिसर में 'सीताराम' के जयघोष गूंजते रहे और भक्तों ने भजनों एवं मंगलगीतों के साथ दिव्य उत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। कथा के समापन पर मुख्य यजमान विलास देशपांडे एवं सौ. लता देशपांडे ने महाआरती की। इसके उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

अच्छी वर्षा के लिए रामायण का पाठ किया

क्षेत्र में अच्छी वर्षा और जनकल्याण की कामना को लेकर फालका बाजार स्थित प्राचीन राम मंदिर में आयोजित 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ रविवार को धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। 'चाय पर चर्चा ग्रुप' के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर सुख-समृद्धि एवं समय पर अच्छी बारिश की प्रार्थना की। इसके बाद रामचरित मानस समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ प्रारंभ किया गया। चौबीस घंटे तक मंदिर परिसर रामचरित मानस की मधुर चौपाइयों से भक्तिमय बना रहा। आयोजकों ने बताया कि मानसून की बेरुखी और भीषण गर्मी से राहत दिलाने तथा प्रकृति के संतुलन और अच्छी वर्षा की कामना के उद्देश्य से यह सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने ग्वालियर अंचल सहित पूरे प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और अच्छी वर्षा के लिए सामूहिक प्रार्थना की। इस मौके पर विनय दुबे, योगेश चतुर्वेदी, अनूप अग्रवाल, रवि गर्ग, अशोक गर्ग, विनोद सिंघल आदि उपस्थित रहे।

चेक बाउंस के आरोपी को 6 माह का कारावास

÷Ü∅ संवाददाता ■ ग्वालियर

दोस्ती और आपसी विश्वास का नाजायज फायदा उठाकर लाखों रुपए हड़पने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी फाल्गुनी शर्मा ने आरोपी मुनीश्वर सिंह तोमर को दोषी करार देते हुए 6 महीने के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर करीब 9 लाख रुपए का मुआवजा भी लगाया है। मामला वर्ष 2022 का है। परिवादी संतोष सिंह राठौर और अभियुक्त मुनीश्वर सिंह तोमर दोनों एक ही समाज के होने के कारण आपस में घनिष्ठ संबंध रखते थे। मुनीश्वर सिंह जमीन की खरीद-बिक्री का काम करता था। उसने 13 अक्टूबर 2022 को परिवादी संतोष सिंह से संपर्क किया और जमीन खरीदने के लिए आठ लाख रुपए की वित्तीय मदद मांगी। जिस पर संतोष सिंह ने अगले ही दिन यानी 14 अक्टूबर 2022 को अपने घर पर गवाहों के सामने 8 लाख नगद दे दिए। मुनीश्वर ने यह राशि 6 महीने के लिए कर्ज के तौर पर ली थी और इसे तय समय पर वापस करने का पूरा भरोसा दिया था। कर्ज की सुरक्षा और अदायगी के लिए आरोपी ने पंजाब नेशनल बैंक, शाखा नया बाजार के दो पोस्ट-डेटेड चेक हस्ताक्षरित करके परिवादी को दिए थे। इनमें से पहला चेक सात लाख रुपए का था, जिसकी तारीख 30 अप्रैल 2023 दर्ज थी। जब परिवादी ने इस चेक को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में भुगतान के लिए लगाया तो 6 मई 2023 को बैंक ने बिना भुगतान के वापस लौटा दिया। इसके बाद पीड़ित संतोष सिंह ने अपने वकील सुरेंद्र सिंह के माध्यम से 14 मई 2023 को कानूनी नोटिस भेजा। नोटिस मिलने के बावजूद जब मुनीश्वर सिंह तोमर ने रकम वापस नहीं की, तो पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत में आरोपी मुनीश्वर तोमर ने खुद को पाक-साफ बताने की कोशिश करते हुए दलील दी कि उसने कोई कर्ज नहीं लिया था और यह चेक केवल एक गारंटी के तौर पर दिया गया था। हालांकि, आरोपी अपने दावों के समर्थन में अदालत के सामने कोई ठोस सबूत या गवाह पेश नहीं कर सका। न्यायालय ने साफ किया कि एक बार जब चेक पर हस्ताक्षर स्वीकार कर लिए जाते हैं, तो कानूनन यह मान लिया जाता है कि चेक किसी वैध कर्ज को चुकाने के लिए ही जारी किया गया था। यदि चेक का दुरुपयोग हो रहा था, तो आरोपी ने पुलिस में शिकायत क्यों नहीं की या चुप क्यों बैठा रहा। न्यायालय ने तोमर को 6 माह का सश्रम कारावास एवं चेक राशि 7 लाख पर चेक जारी होने की तारीख से निर्णय तक 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज जोड़कर कुल नौ लाख एक हजार पांच सौ इकत्तर रुपए पीड़ित को देने का आदेश दिया है।

आगरा में स्टेशन मास्टर से मारपीट का विरोध ग्वालियर तक पहुंचा

आरपीएफ कर्मियों पर कार्रवाई की मांग, बोले- रेलवे में नहीं चलेगी तानाशाही

÷Ü∅ संवाददाता ■ ग्वालियर

आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर नरेंद्र चाहर के साथ आरपीएफ जवानों द्वारा कथित मारपीट और बदसलूकी के मामले का विरोध अब ग्वालियर में भी तेज हो गया है। घटना से नाराज ग्वालियर के

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषी आरपीएफ कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

सोमवार को रिटायर रेल कर्मचारियों ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन मैनेजर को केंद्रीय रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन झांसी मंडल के डीआरएम के माध्यम से भेजा गया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि स्टेशन मास्टर के साथ हुई घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी आरपीएफ कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में रिटायर स्टेशन मैनेजर पीपी चौबे, संजय हयारण, डीके उपाध्याय, सुभाष वायगांवकर, बीके द्विवेदी और पीएस धाकड़ शामिल रहे। उन्होंने स्टेशन मैनेजर आरएस राठौर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि रेलवे में इस तरह की अनुशासनहीनता और दबाव की संस्कृति को स्वीकार नहीं किया जा सकता। आगरा की घटना को लेकर ग्वालियर के रेल कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर काम किया। कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने इस मामले की जानकारी झांसी मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी है। दिनभर रेलवे परिसर में इस घटना को लेकर चर्चा होती रही। कर्मचारियों का कहना है कि रेलवे में सभी विभाग एक-दूसरे के सहयोग से काम करते हैं। ऐसे में किसी भी कर्मचारी के साथ मारपीट या अभद्र व्यवहार की घटना पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सावन मेले में 40 दुकानों के लिए 18 तक ऑनलाइन आवेदन

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित किए जा रहे सावन मेले में दुकानों एवं झूलों के आवंटन की प्रक्रिया जारी है। अब तक लगभग 102 दुकानों एवं झूलों का आवंटन किया जा चुका है। व्यापारियों की मांग को देखते हुए शेष बची 40 दुकानों के लिए 18 जुलाई तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सचिव एसबी त्रिपाठी के अनुसार सावन मेले का आयोजन 20 जुलाई से 31 अगस्त तक किया जाएगा। मेले में दुकान प्राप्त करने के इच्छुक व्यापारी एवं दुकानदार निर्धारित तिथि तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

सड़कों के गड्ढे भरने का अभियान तेज कई इलाकों में हुई पेच रिपेयरिंग

÷Ü∅ संवाददाता ■ ग्वालियर

बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने शहरभर में पेच रिपेयरिंग अभियान तेज कर दिया है। निगम की टीम विभिन्न वार्डों में सड़क पर बने गड्ढों को भरकर आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाने में जुटी है।

निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत निगम के अमले ने सोमवार को शहर के कई प्रमुख मार्गों और कॉलोनियों में पेच रिपेयरिंग का कार्य कराया। सहायक यंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि बारिश के कारण खराब हुई सड़कों की लगातार मरम्मत की जा रही है, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

अभियान के दौरान वार्ड-60 के अलापुर, बालाजीपुरम, गांधी नगर में रेल पटरी के पास, हजीरा चौराहा, दीनदयाल नगर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप, सिरोल थाना, बड़ा, पटेल नगर सिटी सेंटर, शर्मा फार्म रोड, भीकम नगर, रतन वाटिका, शीतला विहार कॉलोनी, विक्की फैक्ट्री, पारस विहार कॉलोनी, गदाईपुरा पुल के नीचे, महावीर नगर, सिकंदर कंपू सैनिक कॉलोनी, सेंट्रल एकेडमी रोड आदित्यपुरम, मयूर मार्केट थाटीपुर, अवाड़पुरा, पिपरौली रोड, चिरवाई नाका, शंकरपुर ट्रांसपोर्ट नगर, नौगांव, गोदाम बस्ती, खंभा फैक्ट्री रोड, ललियापुरा, आदर्श नगर, मैना वाली गली दाल बाजार और खुरैरी गांव सहित अनेक स्थानों पर सड़क मरम्मत का काम किया गया।

लाड़ली बहना योजना के नए पंजीयन को लेकर सोशल मीडिया पर फैली खबर फर्जी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के नए पंजीयन को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही जानकारी को महिला एवं बाल विकास विभाग ने पूरी तरह निराधार और गलत बताया है। विभाग ने महिलाओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना के झांसे में न आएं और आवेदन या पंजीयन के नाम पर किसी को भी राशि न दें।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी राहुल पाठक ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत नए आवेदन अथवा पंजीयन आमंत्रित नहीं किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर योजना के नए पंजीयन शुरू होने और इसके लिए राशि जमा करने जैसी जो सूचनाएं प्रसारित हो रही हैं, वे पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा गलत जानकारी देकर महिलाओं से पैसे की मांग किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसी किसी भी जानकारी पर विश्वास न करें और न ही किसी व्यक्ति को योजना में नाम जुड़वाने के नाम पर कोई राशि दें। महिला एवं बाल विकास विभाग ने कहा है कि योजना से संबंधित किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी केवल विभागीय माध्यमों से ही जारी की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या संस्था गलत जानकारी फैलाकर महिलाओं को गुमराह करती है तो उसके खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से जुड़ी किसी भी जानकारी या संशय के लिए सीधे महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय से संपर्क करें और सोशल मीडिया पर आने वाली अपुष्ट सूचनाओं से बचें।

किशोरी विकास निवेदिता भारती का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

बेटियों को बताए सफलता के सूत्र

सेवा भारती मध्य भारत महानगर ग्वालियर द्वारा संचालित किशोरी विकास निवेदिता भारती का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग रविवार को नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास भवन के सभागार में उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में पांच सत्रों के माध्यम से किशोरियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता, आत्मरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर विभाग सेवा प्रमुख रवि बत्रा ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा भारती अध्ययन टोली की सदस्य डॉ. संदीपा मल्होत्रा तथा सेवा भारती महानगर ग्वालियर के विभाग सचिव डॉ. सुरेंद्र प्रधान का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ।

प्रथम सत्र में डॉ. संदीपा मल्होत्रा ने सेवा भारती के कार्यों एवं निवेदिता भारती की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में ग्वालियर विभाग समन्वयक कैलाश कुशवाहा ने पाठ्यक्रम एवं केंद्र संचालन की विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षता विभाग संयोजिका निवेदिता कल्पना शर्मा ने की। भोजनावकाश के बाद तृतीय सत्र में किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य विनीता जैन ने 'मेरी दृष्टि-निवेदिता भारती' विषय पर संवादात्मक शैली में विचार साझा किए। अध्यक्षता समाज सेवी वंदना शर्मा ने की। चतुर्थ सत्र में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर ने सोशल मीडिया के प्रभाव, साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि बेटियों को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अंतिम सत्र में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. बिंदु सिंघल एवं सरला सुनेजा ने स्वास्थ्य, खेल और ऊर्जा वृद्धि से जुड़ी उपयोगी गतिविधियों की जानकारी दी। ग्वालियर विभाग के सेवा प्रमुख रवि बत्रा ने भी उपस्थित निवेदिता दीदियों का मार्गदर्शन किया। वर्ग का संचालन कैलाश कुशवाहा ने किया तथा समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लश्कर जिला संघचालक डॉ. सुनील पाठक, शशांक सोमानी, मीनाक्षी शर्मा, सुजाता यदुवंशी, सत्येंद्र राजपूत, अजय माहौर सहित लगभग 73 कार्यकर्ता एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने घटनास्थल का कराया सीन रिक्रिएशन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

थाटीपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश को पुलिस पकड़कर घटनास्थल पर ले गई जहां पर सीन रिक्रिएशन कराया।

ग्राम दुल्लपुर में रहने वाले रामवीर सिंह गुर्जर पर घल्लो उर्फ श्रीनिवास गुर्जर, तहसीलदार गुर्जर, गौतम अजय, विजय, प्रबल, देवराज और अन्य आरोपियों ने उस समय हमला कर दिया था जब वह नाश्ता करने के लिए गया था। हमलावरों ने लाठी-डंडो से रामवीर पर प्राणघातक हमला कर लहूलुहान कर दिया था। उक्त मामले में पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही थी। शनिवार को मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि हत्या के प्रयास का आरोपी गुढ़ा पर देखा गया है। थाटीपुर थाना प्रभारी विपेन्द्र सिंह चौहान ने टीम के साथ दबिश देकर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश अभिषेक उर्फ टिम्मी पुत्र राजेन्द्र सिंह गुर्जर 24 वर्ष निवासी केदारपुर को पुलिस सोमवार को मयूर मार्केट के पास घटनास्थल पर ले गई और सीन रिक्रिएशन कराया। बदमाश घटनास्थल पर सिर झुकाकर चल रहा था। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा था लेकिन एक आरोपी को चलता कर दिया है।

कृषि विज्ञान केंद्र में रोपे पौधे

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वालियर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने करंज व खमेर (सफेद टीक) के पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने कहा कि ये दोनों वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता तथा इमारती और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। कृषि वानिकी वैज्ञानिक डॉ. अमिता शर्मा ने अभियान को मातृ सम्मान के साथ धरती मां के संरक्षण का प्रेरक संदेश बताया। कार्यक्रम में डॉ. एसपीएस तोमर, डॉ. रश्मि वाजपेयी, डॉ. राजीव सिंह चौहान सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लॉयंस क्लब आराध्या और अनुभूति ने रोपे 31 पौधे

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से लॉयंस क्लब ग्वालियर आराध्या एवं लॉयंस क्लब ग्वालियर अनुभूति के संयुक्त तत्वावधान में टापू मोहल्ला स्थित आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जामुन, पीपल और नीम सहित 31 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय सप्रा तथा विशिष्ट अतिथि राकेश अग्रवाल रहे।

'सफलता के साक्षी' पुस्तक का विमोचन

डॉ. पाण्डेय ने पत्रकारिता को समाज परिवर्तन का बनाया प्रभावी माध्यम : पीयूष मिश्रा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

डॉ. केशव पाण्डेय ने पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बनाया है। ऐसे व्यक्तित्वों के कार्यों को पुस्तक के रूप में संरक्षित करना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

यह बात प्रख्यात अभिनेता, गायक, संगीतकार एवं गीतकार पीयूष मिश्रा ने सोमवार को कैंसर हॉस्पिटल स्थित शीतला सहाय सभागार में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. केशव पाण्डेय के व्यक्तित्व, कृतित्व, पत्रकारिता और समाजसेवा की प्रेरक यात्रा पर आधारित पुस्तक 'सफलता के साक्षी' के विमोचन समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं साहित्यकार श्रीधर पराड़कर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बीआर श्रीवास्तव, डॉ. केशव पाण्डेय एवं दीपक तोमर उपस्थित रहे। श्री पराड़कर ने कहा कि डॉ. केशव पांडे ने निष्पक्ष पत्रकारिता, सामाजिक चेतना और जनसेवा के क्षेत्र में जो अमिट पहचान बनाई है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि 'सफलता के साक्षी' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष और समर्पण की प्रेरक गाथा है।

कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने भी डॉ. केशव पाण्डेय के पत्रकारिता, साहित्य, सामाजिक सेवा तथा जनजागरण के क्षेत्र में दिए गए योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि 'सफलता के साक्षी' पुस्तक में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों, समाजसेवियों, साहित्यकारों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा डॉ. केशव पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं उनके समाजहितैषी कार्यों पर व्यक्त किए गए विचारों का संकलन किया गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. केशव पाण्डेय के जीवन, संघर्ष, पत्रकारिता, सामाजिक सरोकारों और जनसेवा पर आधारित एक विशेष वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का प्रदर्शन किया गया। वृत्तचित्र में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पण को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर, एमडी पाराशर, किशन मुदगल, महेश मुदगल, महेश कटारे, डॉ. एसएम तिवारी, डॉ. अशोक मिश्रा, अरविन्द जी, टीएन मनीष, हरिओम गौतम, रामबाबू कटारे, राजेन्द्र मुदगल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ. गौड़ बने मेडिकल एजुकेशन चैप्टर के राष्ट्रीय अध्यक्ष

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

देशभर के शिशु रोग विशेषज्ञों और मेडिकल शिक्षकों की प्रतिष्ठित 13वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पीडियाट्रिक एजुकेशन का आयोजन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित डॉ. पिन्नामनेनी सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के शिशु रोग विभागाध्यक्ष और मेडिकल एजुकेशन यूनिट के समन्वयक प्रोफेसर डॉ. अजय गौड़ को सर्वसम्मति से आईएपी मेडिकल एजुकेशन चैप्टर का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. गौड़ की यह नियुक्ति चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान, बेहतरीन नेतृत्व क्षमता और शैक्षणिक उत्कृष्टता का राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा सम्मान है। सम्मेलन के दौरान डॉ. अजय गौड़ ने मेडिकल एजुकेशन, वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियां एवं भविष्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि देश में चिकित्सा शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है तथा स्नातक सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप चिकित्सा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के बड़े-बड़े बैच तैयार हो रहे हैं। हालांकि शिक्षकों की संख्या उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई है, जिससे शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात प्रभावित हो रहा है।

किताबों से निकलकर दैनिक जीवन में त्रिकोणमिति

स्कूल के दिनों में जब हम त्रिकोणमिति के सूत्र, जैसे साइन, कोसाइन और टैन, याद करते थे, तो अक्सर मन में यह सवाल आता था कि आखिर इनका वास्तविक जीवन में उपयोग कहां होता है। कई विद्यार्थियों को लगता है कि त्रिकोणमिति केवल परीक्षाओं या इंजीनियरों के काम आने वाला एक कठिन विषय है। लेकिन सच यह है कि त्रिकोणमिति हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए जानते हैं कि यह गणित हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार आसान बनाता है।

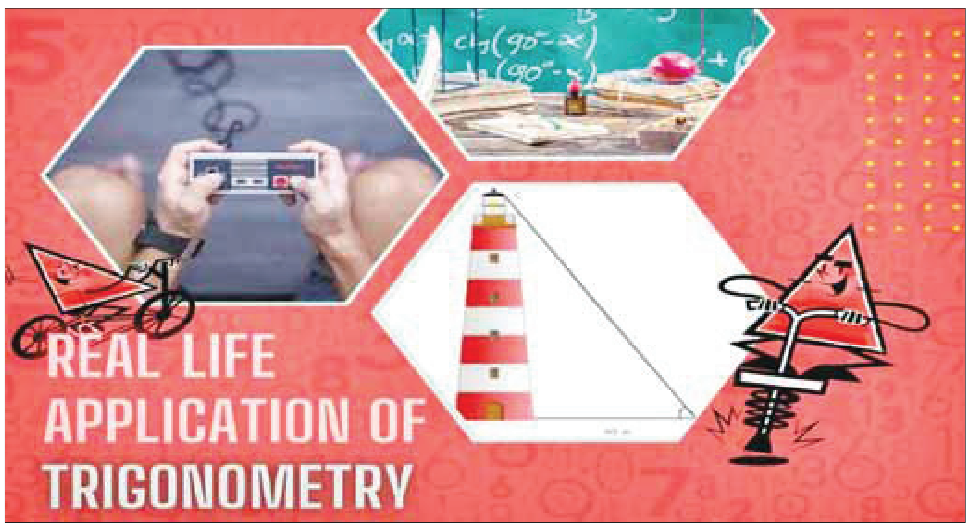

स्मार्टफोन और आधुनिक तकनीक में त्रिकोणमिति

आज हमारे हाथ में मौजूद स्मार्टफेन त्रिकोणमिति के कई सिद्धांतों पर आधारित है। मोबाइल गेम्स में किसी पात्र की गति, दिशा और स्थिति को सही दिखाने के लिए कंप्यूटर ग्राफिक्स में त्रिकोणमिति का उपयोग किया जाता है। कैमरे में चेहरे की पहचान, गूगल मैप्स में स्थान का पता लगाना और सैटेलाइट से दूरी व दिशा की गणना करना भी कोणों और दूरियों के सही मापन पर निर्भर करता है।

भवन निर्माण और वास्तुकला में उपयोग

घर, पुल, ऊंची इमारतों की मजबूती के पीछे भी त्रिकोणमिति का सिद्धांत है। वास्तुकार और इंजीनियर जमीन की ढलान, इमारतों के कोण, प्रकाश की दिशा और संरचना के संतुलन को समझने के लिए इसका उपयोग करते हैं। जैसे किसी छत का ढलान इस प्रकार तय किया जाता है कि बारिश का पानी आसानी से बह सके। इसके लिए सही कोणों की गणना त्रिकोणमिति की सहायता से की जाती है।

संगीत और ध्वनि तकनीक में भूमिका

संगीत का संबंध भी त्रिकोणमिति से जुड़ा हुआ है। ध्वनि तरंगों को समझने, रिकॉर्ड करने और बेहतर बनाने के लिए गणितीय तरंगों का उपयोग किया जाता है। संगीत की आवाज को साफ करना, सुरों को सही करना, रीमिक्स तैयार करना और अनचाही आवाजों को हटाना जैसी प्रक्रियाएं त्रिकोणमितीय सिद्धांतों की सहायता से संभव होती हैं।

चिकित्सा क्षेत्र में योगदान

आधुनिक चिकित्सा उपकरणों में भी त्रिकोणमिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। एमआरआई और अल्ट्रासाउंड जैसी मशीनें शरीर के अंदर से प्राप्त संकेतों को समझकर उनकी छवियां तैयार करती हैं। इन संकेतों का विश्लेषण करने और सटीक तस्वीर बनाने के लिए जटिल गणितीय सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है। त्रिकोणमिति केवल किताबों तक सीमित कोई विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे आसपास की दुनिया को समझने और बेहतर बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। जब हम मोबाइल का उपयोग करते हैं, किसी इमारत को देखते हैं, हवाई जहाज में यात्रा करते हैं या आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लेते हैं, तब कहीं न कहीं त्रिकोणमिति अपना योगदान दे रही होती है। इसलिए गणित को केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि जीवन को आसान और व्यवस्थित बनाने वाली एक उपयोगी भाषा के रूप में समझना चाहिए।

अर्चना गुप्ता
प्राचार्य
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
जोंसगंज, जबलपुर

हवाई और समुद्री यात्राओं में उपयोग

हवाई जहाज और जहाजों के संचालन में दिशा और दूरी का सही अनुमान बहुत जरूरी होता है। पायलट और नाविक हवा की गति, यात्रा की दिशा और कोणों की गणना करने के लिए त्रिकोणमिति का सहारा लेते हैं। यही गणित उन्हें सुरक्षित रूप से अपनी मंजिल तक पहुंचने में मदद करता है।

ऑप्टिकल इल्यूजन और गणित जब आँखें धोखा खाती हैं

क्या आपने कभी ऐसी तस्वीर देखी है जिसमें सीधी रेखाएँ टेढ़ी दिखाई देती हों या स्थिर चित्र चलता हुआ प्रतीत होता हो? ऐसी तस्वीरों को ऑप्टिकल इल्यूजन कहा जाता है। इनमें हमारी आँखें और मस्तिष्क मिलकर कभी-कभी वास्तविकता से अलग चित्र प्रस्तुत करते हैं। इन भ्रमों के पीछे केवल कला ही नहीं, बल्कि गणित, ज्यामिति और विज्ञान का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

ऑप्टिकल इल्यूजन क्या है?

ऑप्टिकल इल्यूजन वह स्थिति है, जब कोई चित्र या वस्तु वास्तव में जैसी होती है, हमारी आँखें उसे वैसा नहीं देख पातीं। मस्तिष्क आकार, दूरी, रंग, प्रकाश और पैटर्न के आधार पर उसका अलग अर्थ निकाल लेता है।

गणित का क्या संबंध है?

ऑप्टिकल इल्यूजन में कई गणितीय सिद्धांत काम करते हैं जैसे ज्यामिति रेखाएँ, कोण, वृत्त और आकृतियाँ भ्रम उत्पन्न करती हैं। सममिति एक जैसी आकृतियों की विशेष व्यवस्था से आँखें भ्रमित हो जाती हैं। इसी तरह अनुपात वस्तुओं के आकार और दूरी का अंतर देखने के तरीके को बदल देता है। ठीक ऐसे ही पैटर्न बार-बार दोहराए गए डिज़ाइन मस्तिष्क को भ्रमित कर सकते हैं। परिप्रेक्ष्य चित्रों में गहराई और दूरी का आभास गणितीय नियमों पर आधारित होता है।

कुछ प्रसिद्ध ऑप्टिकल इल्यूजन

1 म्यूलर-लायर इल्यूजन
दो समान लंबाई की रेखाएँ उनके सिरों पर बने तीरों के कारण अलग-अलग लंबाई की दिखाई देती हैं।

2 चेकर शैडो इल्यूजन
दो समान रंग के खाने, प्रकाश और छाया के कारण अलग-अलग रंग के दिखाई देते हैं।

3 पेनरोज़ त्रिभुज
यह एक ऐसी आकृति है जो देखने में त्रिभुज जैसी लगती है, लेकिन वास्तव में उसे त्रि-आयामी रूप में बनाया ही नहीं जा सकता।

4 घूमता हुआ चित्र
कुछ स्थिर चित्र ऐसे बनाए जाते हैं कि उन्हें देखने पर वे घूमते हुए प्रतीत होते हैं, जबकि वास्तव में वे बिल्कुल स्थिर होते हैं।

ऑप्टिकल इल्यूजन हमें सिखाते हैं कि हर बार जो हमारी आँखें देखती हैं, वह पूरी तरह वास्तविक नहीं होता। गणित, विशेषकर ज्यामिति, सममिति और अनुपात के सिद्धांत इन भ्रमों को समझने की कुंजी हैं। इसलिए ऑप्टिकल इल्यूजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि गणित और विज्ञान को रोचक ढंग से सीखने का एक शानदार माध्यम भी हैं।

श्रीनिवास रामानुजन, जिन्होंने गणित की दुनिया बदल दी

जब भी महान गणितज्ञों का नाम लिया जाता है, तो सबसे पहले जिन भारतीय विद्वानों का स्मरण होता है, उनमें श्रीनिवास रामानुजन का नाम प्रमुख है। उन्होंने बिना औपचारिक उच्च गणित की शिक्षा के ऐसे-ऐसे सूत्र और प्रमेय खोजे, जिन्होंने दुनिया के बड़े-बड़े गणितज्ञों को भी आश्चर्यचकित कर दिया। आज भी उनके शोध आधुनिक गणित, कंप्यूटर विज्ञान और भौतिकी में उपयोग किए जाते हैं।

प्रारंभिक जीवन

श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिलनाडु के ईरोड में हुआ। उनके पिता के. श्रीनिवास अयंगर एक कपड़े की दुकान में काम करते थे और माता कोमलतम्मल धार्मिक एवं संगीत प्रेमी थीं। बचपन से ही रामानुजन की रुचि गणित में असाधारण थी। वे घंटों तक संख्याओं और गणितीय समस्याओं पर विचार करते रहते थे।

इंग्लैंड की यात्रा और जी. एच. हार्डी से मुलाकात

1913 में रामानुजन ने अपने गणितीय सूत्र इंग्लैंड के प्रसिद्ध गणितज्ञ गॉडफ्रे हेरोल्ड हार्डी को भेजे। हार्डी ने उनकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया और उन्हें इंग्लैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज आने का निमंत्रण दिया। कैम्ब्रिज में दोनों ने मिलकर अनेक महत्वपूर्ण शोध किए। यह सहयोग गणित के इतिहास की सबसे प्रसिद्ध साझेदारियों में से एक माना जाता है।

प्रमुख गणितीय योगदान

1. संख्या सिद्धांत रामानुजन ने संख्याओं के गुणों पर अनेक नए सिद्धांत प्रस्तुत किए। उनके शोध आज भी आधुनिक गणित का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

2. अनंत श्रेणियाँ - उन्होंने अनंत श्रेणियों और पाई के मान की गणना के लिए ऐसे सूत्र दिए, जिनका उपयोग आज भी उन्नत गणनाओं में किया जाता है।

3. विभाजन सिद्धांत - उन्होंने यह समझने के नए तरीके विकसित किए कि किसी संख्या को कितने अलग-अलग तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है।

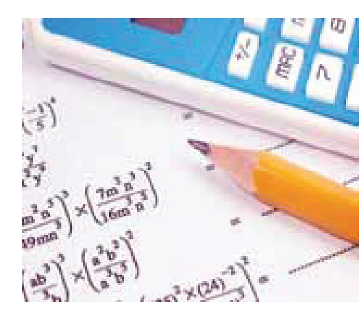

4. मॉक थीटा फ़ंक्शन - जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने मॉक थीटा फ़ंक्शनों की खोज की। बाद में इन पर व्यापक शोध हुआ और आधुनिक गणित तथा भौतिकी में इनका महत्व सिद्ध हुआ।

गणित के प्रति अद्भुत लगाव

किशोरावस्था में रामानुजन के हाथ गणित की एक पुस्तक लगी, जिसमें हजारों गणितीय परिणाम दिए गए थे। उन्होंने न केवल उन परिणामों को समझा, बल्कि स्वयं नए-नए सूत्र और प्रमेय खोजने शुरू कर दिए। वे अपनी नोटबुक में लगातार नए गणितीय विचार लिखते रहते थे। बाद में यही नोटबुक विश्वभर के गणितज्ञों के लिए अमूल्य धरोहर बन गई। भारत सरकार ने उनकी जयंती 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

टॉवर ऑफ हनोई: दिमाग की असली परीक्षा लेने वाली गणितीय पहेली

क्या आपने कभी ऐसी पहेली देखी है, जिसमें केवल कुछ गोल चक्कियों (डिस्क) को एक डंडे से दूसरे डंडे पर ले जाना हो, लेकिन उसके पीछे गहरे गणितीय सिद्धांत छिपे हों? टॉवर ऑफ हनोई ऐसी ही एक प्रसिद्ध गणितीय पहेली है। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि तार्किक सोच, समस्या समाधान और कंप्यूटर विज्ञान की मूल अवधारणाओं को समझने का बेहतरीन माध्यम है। दुनिया भर के विद्यालयों और ओलंपियाड प्रतियोगिताओं में इसका उपयोग विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने के लिए किया जाता है।

टॉवर ऑफ हनोई क्या है?

टॉवर ऑफ हनोई एक गणितीय पहेली है, जिसमें तीन डंडे और अलग-अलग आकार की कई गोल डिस्क होती हैं। शुरुआत में सभी डिस्क एक ही डंडे पर सबसे बड़ी से सबसे छोटी क्रम में रखी होती हैं। लक्ष्य है कि सभी डिस्क को उसी क्रम में तीसरे डंडे पर पहुँचाया जाए।

खेल के तीन नियम

1. एक समय में केवल एक ही डिस्क उठाई जा सकती है।
2. किसी भी चरण में बड़ी डिस्क को छोटी डिस्क के ऊपर नहीं रखा जा सकता।
3. डिस्क को केवल तीनों डंडों के बीच ही स्थानांतरित किया जा सकता है। इन सरल नियमों के कारण यह पहेली चुनौतीपूर्ण बन जाती है।

इस पहेली का इतिहास

टॉवर ऑफ हनोई का आविष्कार 1883 में फ्रांसीसी गणितज्ञ एडुआर्ड लुकास ने किया था। उन्होंने इसे एक मनोरंजक गणितीय खेल के रूप में प्रस्तुत किया। बाद में यह दुनिया की सबसे प्रसिद्ध गणितीय पहेलियों में शामिल हो गई।

इसे कैसे हल किया जाता है?

इस पहेली का सबसे प्रभावी तरीका रिकर्शन है। इसमें बड़ी समस्या को छोटे-छोटे भागों में बाँटकर हल किया जाता है। यही सिद्धांत कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

गणित के रोचक तथ्य

1. गणितीय प्रतीकों चिन्हों में से अधिकांश 16 वीं सदी तक बहुत सारे गणितीय प्रतीकों का आविष्कार नहीं हुआ था, इसलिए गणित के समीकरणों को शब्दों में लिखा जाता था, इसलिए इस प्रक्रिया में बहुत समय लगता था।
2. प्राचीन बेबीलोन के लोग गणित को हल करने के लिए आधार 10 के बजाय 60 का इस्तेमाल करते थे, इसलिए हम 1 मिनट में 60 सेकंड और एक सर्कल में 360 डिग्री का प्रयोग करते है।
3. सूरजमुखी का सर्पिल आकार, फिबोनैकी अनुक्रम को फॉलो करता है, इस अनुक्रम में अगला नंबर पाने के लिए पूर्ववर्ती दो नम्बरों को जोड़ा जाता है, उदहारण 1, 1, 2, 3, 5, 8, आदि नंबर है।
4. शून्य नंबर को रोमन अंकों में नहीं दर्शाया जा सकता है। यानि रोमन शून्य का प्रयोग नहीं जानते थे।
5. मिलेनियम पुरस्कार 1 मिलियन राशि का होता है और यह उस व्यक्ति को दिया जाना है जो 7 गणितीय समस्याओं को हल कर दे, आपको जानकर हैरानी होगी कि आज तक केवल 1 समस्या का हल किया गया है। 6 अभी भी अनुत्तरित हैं।
6. एशिया के अधिकांश देशों में, 4 नंबर को अशुभ माना जाता है, जापानी, मंदारिन, कोरियाई और केनटोनीज भाषाओं में इसकी ध्वनि मृत्यु शब्द के समान है।

गणित पहेलियां

1. मैं एक दो अंकों की संख्या हूँ। मेरे अंकों का योग 9 है। यदि मेरे अंकों की जगह बदल दी जाए, तो नई संख्या मुझसे 27 कम हो जाती है। मैं कौन-सी संख्या हूँ?
उत्तर - 63 (63 को उल्ट लिखने पर 36, अंतर 27)
2. दिन में कितनी बार घड़ी की घंटे और मिनट की सुई एक-दूसरे के ऊपर आती हैं?
उत्तर - 22 बार
3. आपके पास 5 सेब हैं। आपने उनमें से 2 आधे-आधे काट दिए। अब आपके पास कितने सेब हैं?
उत्तर - 5 सेब (सिर्फ काटे हैं, कम नहीं हुए।)
4. एक लड़की के उतने ही भाई हैं जितनी बहनें। लेकिन उसके हर भाई के भाइयों की संख्या बहनों से एक अधिक है। परिवार में कुल कितने बच्चे हैं?
उत्तर - 7 बच्चे (4 लड़कियाँ और 3 लड़के)
5. एक खाली बोतल की कीमत 20 रूपए है। पानी भरने पर उसकी कीमत 30 रूपए हो जाती है। पानी की कीमत कितनी है?
उत्तर - 10 रूपए
6. 1 से 100 तक गिनती लिखने पर अंक 9 कुल कितनी बार आता है?
उत्तर - 20 बार
7. पाँच साल पहले राहुल की उम्र 12 वर्ष थी। 10 साल बाद उसकी उम्र कितनी होगी?
उत्तर - 27 वर्ष (5 साल पहले 12 वर्ष थी अभी 17 वर्ष है 10 साल बाद 27 वर्ष होगी)
8. केवल अंक 2, 5 और 8 का एक-एक बार प्रयोग करके सबसे बड़ी संख्या बनाइए।
उत्तर - 852
9. 10 मोमबत्तियाँ जल रही थीं। हवा से 3 बुझ गईं। अंत में कितनी मोमबत्तियाँ बचेंगी?
उत्तर - 3 जो बुझ गईं, वही बचेंगी। बाकी जलकर समाप्त हो जाएँगी।

दैनिक जीवन में गणित का महत्व

गणित हमारे दैनिक जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। हम अपने जीवन के लगभग हर कार्य में किसी न किसी रूप में गणित का उपयोग करते हैं। सुबह उठकर समय देखने से लेकर रात तक के सभी कार्यों में गणित की भूमिका होती है। घड़ी में समय देखना, दिन और तारीख का हिसाब रखना, घर का बजट बनाना, खरीदारी करना, पैसे गिनना, सामान का वजन और कीमत जानना, दूरी मापना तथा यात्रा का समय तय करना जैसे अनेक कार्य गणित के बिना संभव नहीं हैं। यदि हमें किसी वस्तु पर मिलने वाली छूट, लाभ-हानि या कुल खर्च की गणना करनी हो, तो गणित की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि गणित हमारे जीवन को सरल, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाता है। विद्यार्थियों के लिए गणित का विशेष महत्व है।

शब्द पहेली - 8921

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास, इंग्लैंड को 270 रन से हराकर दर्ज की यादगार टेस्ट जीत

लंदन

यास्तिका भाटिया के शतक, दोनों पारियों में स्मृति मंधाना के अर्धशतक और क्रांति गौड़ के पंजे की बदौलत भारत ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड को सोमवार को 270 रन के बड़े अंतर से हरा दिया।चौथे दिन का खेल जब शुरू हुआ तब भारत जीत से चार विकेट दूर था और स्नेह राणा ने अर्धशतक बना चुकीं एमी जोंस के रूप में भारत को दिन की पहली सफलता दिला दी। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने इसी वॉन्ग और लॉरेन बेल को बोल्ड किया। दूसरे छोर पर सोफ़ी एक्लेस्टोन डटी हुई थीं और भारत जीत से मात्र एक विकेट दूर था। एक्लेस्टोन जब 27 के स्कोर पर थीं तब श्री चरणी ने उनके खिलाफ़ पगबाधा की अपील की थी जिसे अंपायर ने नकार दिया। हालांकि श्री चरणी की गुज़ारिश पर कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रिव्यू लिया और एक्लेस्टोन अंपायर्स कॉल पर बच गईं। एक्लेस्टोन ने टेस्ट करियर में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और जब वह 44 के स्कोर पर थीं तब दीप्ति के खिलाफ़ अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया था। एक्लेस्टोन ने स्वीप का प्रयास किया था और अंपायर के इस निर्णय के खि़लाफ़ इस बार उन्होंने डीआरएस लिया। टीवी अंपायर ने अल्ट्रा एज पर पाया कि गेंद एक्लेस्टोन के बल्ले के अंदरूनी भाग से लगकर पैड पर लगी थी इसलिए इस बार भी एक्लेस्टोन बच गईं और भारत के लिए जीत का इंतज़ार और लंबा हो गया। राणा की गेंदबाज़ी पर इसके बाद भारत ने लॉरेन फ़ाइलर के खिलाफ़ रिव्यू भी गंवाया जब अंपायर ने फ़ाइलर को पगबाधा की अपील पर नॉट आउट करार दिया था। इस समय एक्लेस्टोन 49 के स्कोर पर थीं और फ़ाइलर का खाता नहीं खुला था। हालांकि राणा ने एक्लेस्टोन को 50 के निजी स्कोर पर बोल्ड करते हुए इंग्लैंड का अंतिम विकेट गिराया और भारत ने यह मुक़ाबला 270 रनों के विशाल अंतर से जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से इस मैच में सबसे अच्छा प्रदर्शन एक्लेस्टोन ने किया जिन्होंने अर्धशतक लगाने के साथ ही गेंदबाज़ी में दूसरी पारी में पंजा हासिल किया। भारत ने इंग्लैंड के सामने इस टेस्ट में जीत के लिए 457 रनों का लक्ष्य रखा था जिसके जवाब में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 130 के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए थे और जोंस अर्धशतक बनाकर खेल रही थीं। टैमी ब्यूमोंट और हीदर नाइट अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंतिम मैच खेल रही थीं और दोनों को अंतिम पारी में गौड़ ने अपना शिकार बनाया। इस टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया था। मंधाना अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मुक़ाबला खेल रही थीं और पहली पारी में उनकी 83 रनों की पारी, हरमनप्रीत और ऋचा घोष के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने 285 का स्कोर बनाया था और गेंदबाज़ी में गौड़ के पंजे की बदौलत भारत ने पहली पारी में 115 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। भारत ने अपनी इस बढ़त को व्यर्थ नहीं होने दिया और इंग्लैंड को मुक़ाबले में वापसी करने का एक भी मौक़ा नहीं दिया। क्रांति गौड़ को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

इंग्लैंड पर भारत की बढ़ी बादशाहत

इस जीत के साथ महिला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड पर भारत की मजबूत पकड़ और मजबूत हो गई। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 16 टेस्ट मैचों में भारत ने चार मुकाबले जीते हैं, जबकि इंग्लैंड को केवल एक जीत मिली है। बाकी 11 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। खास बात यह है कि भारत को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी इकलौती टेस्ट हार 1995 में मिली थी। लॉर्ड्स में दर्ज यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास की सबसे यादगार उपलब्धियों में शामिल हो गई है। शानदार बल्लेबाजी, अनुशासित गेंदबाजी और महान खिलाड़ियों से मिले प्रेरणादायक समर्थन के दम पर भारत ने क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदान पर इतिहास अपने नाम कर लिया।

रिटायर हो रहीं हीथर नाइट से हरमनप्रीत कौर ने हाथ मिलाया।

एक जीत, कई कीर्तिमान

लॉर्ड्स टेस्ट में रिकॉर्ड बुक पर छाया भारत

भारतीय महिला टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत सिर्फ भारत के लिए यादगार नहीं रही, बल्कि इस मुकाबले में कई बड़े रिकॉर्ड भी बने। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़, विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने अपनी शानदार उपलब्धियों से महिला क्रिकेट को ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। आइए जानते हैं लॉर्ड्स टेस्ट में बने उन बड़े रिकॉर्ड्स के बारे में, जिन्होंने भारत की इस ऐतिहासिक जीत को और भी खास बना दिया...

1. भारत की सबसे बड़ी जीतों में शामिल हुआ लॉर्ड्स टेस्ट

भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हराया, जो महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत और ओवरऑल चौथी सबसे बड़ी जीत है। भारत की सबसे बड़ी जीत 2023 में नवी मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ 347 रन की रही थी।

महिला टेस्ट में सबसे बड़ी जीत (रनों के हिसाब से)

जीत का अंतर	विजेता	विपक्षी	जगह	वर्ष
347 रन	भारत	इंग्लैंड	नवी मुंबई	2023
309 रन	श्रीलंका	पाकिस्तान	कोलंबो	1998
286 रन	इंग्लैंड	दक्षिण अफ्रीका	ब्लोमफोन्टेन	2024
270 रन	भारत	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	2026
188 रन	न्यूजीलैंड	दक्षिण अफ्रीका	डरबन	1972

यह लॉर्ड्स में भारत की चौथी टेस्ट जीत भी है। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने 1986 (कपिल देव), 2014 (एमएस धोनी) और 2021 (विराट कोहली) की कप्तानी में यहां जीत दर्ज की थी।

2. भारत ने बनाया दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर

भारत ने इस टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 626 रन बनाए (पहली पारी 285 और दूसरी पारी 341/7 घोषित)। यह महिला टेस्ट क्रिकेट में भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैच स्कोर है। इससे पहले भारतीय टीम ने 2024 में चेन्नई टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनों पारियों में मिलाकर 640 रन बनाए थे। खास बात यह भी रही कि भारत ने दूसरी पारी में 341 रन बनाए, जो महिला टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार है जब भारतीय टीम दूसरी पारी में 300 से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

भारत के सबसे बड़े टेस्ट स्कोर

कुल रन	विपक्षी टीम	जगह	वर्ष
640	दक्षिण अफ्रीका	चेन्नई	2024
626	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	2026
614	इंग्लैंड	मुंबई (डीवाई पाटिल)	2023
602	इंग्लैंड	ब्लैकपूल	1986
575	ऑस्ट्रेलिया	मुंबई (ब्रेबॉर्न)	1984
575	इंग्लैंड	ब्रिस्टल	2021

भारत ने दूसरी पारी में 341/7 का स्कोर बनाया, जो महिला टेस्ट में दूसरी बार था जब भारतीय टीम दूसरी पारी में 300 से अधिक रन बनाने में सफल रही।

3. क्रांति गौड़ ने लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में दर्ज कराया नाम

तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने पहली पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह महिला टेस्ट में पांच विकेट लेने वाली भारत की सिर्फ पांचवीं तेज गेंदबाज बनीं। पूरे मैच में उन्होंने सात विकेट लेकर 91 रन दिए, जो किसी भारतीय तेज गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ मैच प्रदर्शन है।

4. यास्तिका भाटिया ने रचा इतिहास

यास्तिका भाटिया ने दूसरी पारी में शानदार 113 रन बनाए। वह महिला टेस्ट के तीसरी या चौथी पारी में शतक लगाने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बन गईं। इसके अलावा वह महिला टेस्ट में विकेटकीपर के रूप में शतक लगाने वाली भारत की दूसरी खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले 1995 में अंजू जैन ने इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया था। यास्तिका लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बन गईं। पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाने वाले भारत की केवल दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले 1996 में सौरव गांगुली ने अपने डेब्यू टेस्ट में 131 रन बनाए थे।

5. स्मृति मंधाना ने खेला 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच

यह मुकाबला स्मृति मंधाना के करियर का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं। उनसे पहले सिर्फ मिताली राज और हरमनप्रीत कौर ही 300 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 30 वर्ष की उम्र पूरी होने से पहले 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली स्मृति दुनिया की सबसे युवा महिला क्रिकेटर भी बन गईं। मंधाना ने इस टेस्ट में 83 और 70 रन की पारियां खेलीं। वह महिला टेस्ट में दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने वाली भारत की चौथी बल्लेबाज बनीं। उनके नाम अब टेस्ट क्रिकेट में सात 50+ स्कोर हो गए हैं, जो संयुक्त रूप से भारत की दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। सभी प्रारूपों को मिलाकर मंधाना के अब 10,737 अंतरराष्ट्रीय रन हो गए हैं। उनसे आगे केवल सूजी बेट्स (10,740) और मिताली राज (10,868) हैं।

6. सोफी एक्लेस्टोन और एमी जोन्स ने बनाया रिकॉर्ड

हालांकि इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सोफी एक्लेस्टोन ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर टेस्ट करियर का चौथा फाइव विकेट हॉल पूरा किया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके विकेटों की संख्या 343 हो गई, जो महिला क्रिकेट में तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। एक्लेस्टोन चौथी पारी में नंबर-8 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली महिला टेस्ट इतिहास की दूसरी खिलाड़ी भी बनीं।

वहीं विकेटकीपर एमी जोन्स ने दोनों पारियों में 52 और 54 रन बनाए। वह महिला टेस्ट इतिहास की पहली नामित विकेटकीपर बनीं, जिन्होंने एक ही टेस्ट की दोनों पारियों में 50+ स्कोर बनाया। वह दोनों पारियों में इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर भी रहीं। इस मुकाबले में दोनों टीमों के विकेटकीपरों ने मिलकर 231 रन बनाए, जो महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में विकेटकीपरों द्वारा बनाया गया सर्वाधिक संयुक्त स्कोर है।

18 साल बाद सीएसके से अलग हुए स्टीफन फ्लेमिंग

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आपसी सहमति के बाद मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल का साथ खत्म हो गया है। यह फैसला फ्लेमिंग और सीएसके प्रबंधन के बीच कई दौर की बातचीत के बाद लिया गया। उल्लेखनीय है कि फ्लेमिंग सबसे पहले 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में एक खिलाड़ी के तौर पर सीएसके से जुड़े थे और अगले ही साल मुख्य कोच बन गए। 2009 से 2026 तक, महेंद्र सिंह धोनी के साथ मजबूत रिश्ता बनाने वाले फ्लेमिंग ने टीम को लगातार सफलता दिलाई। उनकी देखरेख में फ्रैंचाइजी ने पांच आईपीएल खिताब और दो चैंपियंस लीग टी-20 खिताब जीते। फ्लेमिंग के कार्यकाल में सीएसके ने रिकॉर्ड 12 बार प्लेऑफ में जगह बनाई और 10 बार आईपीएल फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे टूर्नामेंट की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक के तौर पर उनकी पहचान पक्की हुई। सीएसके ने अपना आखिरी खिताब 2023 सीजन में जीता था, जबकि उससे पिछले साल वे नौवें स्थान पर रहे थे। 2024 सीजन में वे पांचवें स्थान पर रहे और 2025 में सबसे नीचे रहे। इस साल की शुरुआत में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वे आठवें स्थान पर रहे। इस बीच, फ्लेमिंग ने एसए20 और एमएलसी में भी सुपर किंग्स टीमों को कोचिंग दी।फ्लेमिंग ने कहा, खेल की दुनिया में अठारह साल एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं, और मैं सिर्फ आभार के साथ जा रहा हूं।

सिनर ने ज्वेरेव को हराकर विंबलडन का खिताब जीता

लंदन

दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर ने फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर रविवार को विंबलडन पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने विश्व टेनिस में अपनी दबदबे वाली स्थिति को और मजबूत किया। रोमांचक शुरुआती सेट का टाई-ब्रेक हारने के बाद, सिनर ने अपने खास संयम और सटीक खेल के साथ अपना स्तर बढ़ाया। उन्होंने अगले तीन सेट जीतकर लगातार दूसरी बार विंबलडन का ताज और अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। यह जीत इस इतालवी खिलाड़ी के करियर की ग्रैंड स्लैम एकल में 100वीं जीत भी थी। यह उनके शानदार सफर में एक और मील का पत्थर है, जिसमें वे खेल के प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। इस जीत के साथ ही ज़्वेरेव के खिलाफ सिनर का दबदबा और बढ़ गया है; उन्होंने ज़्वेरेव के साथ हुए 14 मुक़ाबलों में से 10 जीते हैं।

पहला वनडे आज- प्रसारण दोपहर 3:30 बजे से

कोहली और बुमराह की वापसी के बीच वनडे सीरीज में नई शुरुआत करने उतरेगा भारत

बर्मिंघम

भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज मंगलवार से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। टी20 सीरीज में मिली शर्मनाक हार के बाद बर्मिंघम में भारत नए प्रारूप में नई शुरुआत करने उतरेगा। वनडे में रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी की मौजूदगी के साथ ही विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह भी वापसी करते नज़र आएंगे। अनुभवी खिलाड़ियों की उपस्थिति से भारतीय टीम काग़ज़ पर मज़बूत नज़र आ रही है लेकिन लगातार हार झेल रही भारतीय टीम के सामने अतीत के प्रदर्शन से जल्द बाहर निकलने की चुनौती होगी।

इंग्लैंड और इंडिया का हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारतीय टीम का पलड़ा वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारी रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 110 एकदिवसीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 61 में जीत टीम इंडिया के हाथ लगी है। वहीं, इंग्लैंड ने 44 मैच जीते हैं। 2 मुकाबले टाई रहे हैं, जबकि तीन मैचों का नतीजा नहीं निकल सका है। भारत ने इंग्लैंड में अब तक कुल 44 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को 18 में जीत मिली है, तो 23 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच टाई रहा है और 2 मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका है। इस बार वनडे में टीम इंडिया के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

शुभमन गिल और श्री चरणी प्लेयर ऑफ द मंथ की होड़ में

दुबई

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बांग्लादेश के ऑल-राउंडर मोसादेक हुसैन और न्यूज़ीलैंड के सीमर नाथन स्मिथ को जून के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है, जबकि स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस, इंडिया की स्पिनर श्री चरणी और इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट को महिला वर्ग में शॉर्टलिस्ट किया गया है। अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ होम टेस्ट और वनडे में गिल के लगातार परफ़ॉर्मेंस ने उन्हें कट में जगह बनाने में मदद की है।

सचिन तेंदुलकर ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

लंदन

लॉर्ड्स टेस्ट में ऐतिहासिक जीत से पहले चौथे दिन सुबह भारतीय टीम को एक खास सरप्राइज मिला। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बिना किसी पूर्व सूचना के भारतीय ड्रेसिंग रूम पहुंचे और कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज निक नाइट ने प्रसारण के दौरान कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के लिए इससे बड़ा प्रेरणादायक क्षण शायद ही कोई हो सकता था। उन्होंने कहा कि सचिन का इस तरह अचानक टीम के बीच पहुंचना खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को और मजबूत करने वाला पल था। मैच समाप्त होने के बाद सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें ऐतिहासिक जीत की बधाई दी।सचिन इंग्लैंड के खिलाड़ियों से भी मिले। आईसीसी चेयरमैन जय शाह भी इस दौरान लॉर्ड्स में मौजूद रहे ।

समीक्षा — टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश ,संयुक्त जांच दल कब्जों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा

सरकारी आवासों में अवैध रूप से रहने वालों पर सख्ती, होगी बेदखली

भोपाल (नगर संवाददाता)

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को टीएल बैठक में विभागवार समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान अफसरों से स्पष्ट किया कि लोक निर्माण विभाग और प्रशासन एवं संपदा विभाग एक संयुक्त दल गठित करें। यह दल जांच कर सुनिश्चित करे कि सरकारी आवास में किसी का अवैध कब्जा न हो। यदि किसी का कब्जा पाया जाता है तो इसका एक विस्तृत जांच प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत करें।

दरअसल कलेक्टर के पास इस तरह की कई शिकायतें आई हैं जिसमें सरकारी आवासों में अनाधिकृत तौर पर रसूखदारों द्वारा कब्जा किया है। कई ऐसे अधिकारी भी हैं जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद आवास खाली नहीं किया और कई ऐसे भी हैं जो स्थानांतरित होने के बाद भी रह रहे हैं। कलेक्टर ने विभागवार लंबित समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, सीएस एवं सीएम मॉनिटरिंग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को जिले के विजन डॉक्यूमेंट के लिए अपने विभाग से संबंधित भावी योजनाओं, नवाचारों एवं विकासोन्मुखी प्रस्तावों की जानकारी उपलब्ध कराने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे सुझाव शामिल किए जाएं, जो भविष्य में जिले के समग्र एवं सतत विकास को नई दिशा प्रदान करें। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सीएस एवं सीएम मॉनिटरिंग के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं से जुड़े मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सेना भर्ती रैली की तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली सेना भर्ती रैली की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं समन्वित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि भर्ती रैली में बड़ी संख्या में आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने आयोजन स्थल पर शुद्ध पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, चलित शौचालय, यातायात प्रबंधन तथा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ननि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत वितरण कंपनी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों को माइक्रो प्लान के अनुसार सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश में वित्तीय संव्यवहारों को सुगम बनाने की बड़ी पहल

भोपाल। शासकीय वित्तीय संव्यवहारों को अधिक सुचारू, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने की दिशा में राज्य शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आयुक्त, कोष एवं लेखा के विशेष दिशा-निर्देशों के तहत, राज्य के वित्त विभाग के एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये 16 और 17 जुलाई 2026 को दो दिवसीय विशेष "IFMIS Cares Camp" का आयोजन किया जा रहा है।

मुफ्त शिक्षा दिलाने की अनिवार्य शिक्षा का अधिकार योजना अपने लक्ष्य से दूर

हक की पढ़ाई अधूरी: तीन चरण की लॉटरी के बाद भी गरीब बच्चों की 15 हजार सीटें खाली

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा दिलाने की महत्वाकांक्षी शिक्षा का अधिकार (आरटीई) योजना अभी भी अपने लक्ष्य से दूर है। तीन चरण की ऑनलाइन लॉटरी पूरी होने के बावजूद प्रदेश के निजी स्कूलों में करीब 15 हजार सीटें खाली रह गई हैं। जानकारों के मुताबिक यह स्थिति बताती है कि केवल सीटें आरक्षित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पात्र बच्चों तक योजना की पहुंच और प्रवेश प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

प्रदेश के लगभग 30 हजार निजी स्कूलों में इस वर्ष आरटीई के तहत 1.22 लाख सीटें निर्धारित की गई थीं। इनमें से अब तक 1,07,600 बच्चों को प्रवेश मिल चुका है, जबकि करीब 15 हजार सीटों पर अब भी कोई विद्यार्थी नहीं पहुंचा है। यानी लगभग 88 प्रतिशत सीटें भर गई हैं, लेकिन 12 प्रतिशत सीटें अब भी खाली हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार शेष सीटों के लिए फिर से प्रक्रिया हो सकती है। सीटें खाली होने की वजह अधिकतर छोटे स्कूल है, जहां अभिभावक स्वयं पढ़ाना नहीं चाहते हैं। राज्य शिक्षा केंद्र इन सीटों को भरने के लिए पुनः एक बार चौथी प्रक्रिया शुरू कर सकता है। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए कुल दो लाख 10 हजार आवेदन आए थे। इनमें से करीबन एक लाख 78 हजार 714 बच्चे पात्र पाए गए। इन बच्चों को लाटरी में शामिल किया गाय। केंद्र ने दो चरणों में लाटरी निकाली। पहले चरण में करीबन 90 हजार बच्चों को उनकी मनपसंदीदा स्कूलों में प्रवेश मिला। इसमें करीबन 30 हजार बच्चों ने प्रवेश लिया। इसके बाद पिछले सप्ताह तीसरी लाटरी निकाली। इनमें पहले दो चरणों में शामिल वे बच्चे जो प्रवेश नहीं ले पाएं, को शामिल किया गया, लेकिन इसमें भी 7630 सीटें ही बड़ी मुश्किल से भर पाई। इस तरह अभी भी 15 हजार रिक्त पद भरने हैं।

क्षेत्र सीमा के कारण बच्चो प्रवेश नहीं ले पाते

निजी स्कूलों के संचालकों का कहना है कि सरकार ने आरटीई में क्षेत्र सीमाबंदी कर रखी है। चूंकि अधिकतर मजदूरों, गरीबों के बच्चे आरटीई में निजी शालाओं में पढ़ने आते हैं। सरकार ने ये नियम बना रखा है कि जो अभिभावक मूलत: जहां रहता है, वह वही के स्कूल में प्रवेश ले सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर अभिभावक रायसेन जिले के दीवानगंज का निवासी है, पर मजदूरी करने परिवार समेत भोपाल आ गया है, तो वह अपने बच्चे को भोपाल में नहीं पढ़ा सकता है। उसे वही दीवानगंज की शाला में आरटीई में प्रवेश मिलेगा। ऐसे में गरीब आदिवासी के लिए ये नियम का पालन करना संभव नहीं है। केंद्र के अधिकारियों के अनुसार इन रिक्त सीटों में भोपाल और इंदौर के अधिकतर वे छोटे स्कूल शामिल है, जहां अभिभावक अपने बच्चे को पढ़ाना नहीं चाहते हैं। दूसरी बात खर्च भी अधिक होनेसे आवंटित स्कूलों में अभिभावक प्रवेश नहीं कराना चाहते हैं। फिलहाल 20 जुलाई तक तीसरे लाटरी के बच्चों को प्रवेश लेना है। इसके बाद भी इस साल 15 हजार सीटें खाली रह जाएंगी।

छह साल में घटे प्रवेश

बता दें कि आरटीई के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर आर्थिक रूप से वंचित बच्चों को नि :शुल्क शिक्षा दी जाती है, लेकिन मध्य प्रदेश में सीटों की संख्या साल-दर-साल घट रही है। वर्ष 2021-22 में आरटीई के तहत पात्र आवेदनों की संख्या 1,99,741 थी। इनमें से 1,29,690 को दाखिला मिला। करीब 70 हजार बच्चे प्रवेश नहीं ले पाए, लेकिन छह वर्षों में सीटें घटने से स्थिति और बिगड़ गई है। 2026-27 में आवेदनों की संख्या 2.10,422, जबकि 1.78 लाख आवेदन पात्र थे, जिनके लिए सीटें 1.22 लाख ही रही।

फैक्ट फाइल

आरटीई के तहत प्रदेश का आंकड़ा

लाटरी में शामिल बच्चे	1,78,714
सीटों की संख्या	1,22,551
स्कूल का आवंटन	117,536
अब तक कुल प्रवेश	100,526
अब तक खाली सीटें	22,025

तीसरे चरण में कुल आवंटित सीट : सात हजार छह सौ तीस

अगले चरण पर करेंगे विचार

तीसरे चरण के बाद भी अगर सीटें खाली रहती है, तो अगला चरण करने पर विचार किया जाएगा। अभी 20 जुलाई के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

- डॉ. अरुण सिंह, अपर संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल

इनका कहना है...

आरटीई में प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन होने और क्षेत्र सीमा नियमों के कारण मजदूरी करने वाले गरीब अभिभावक प्रवेश कराने के लिए रूचि नहीं ले रहे हैं।

-अजित सिंह, अध्यक्ष मध्यप्रदेश निजी स्कूल संचालक संघ भोपाल।

जीसीसी, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर हब बनेगा मध्यप्रदेश: डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में देश का अग्रणी एवं सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनाया जाएगा। सोमवार को आयोजित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 के विशेष सत्र में उन्होंने देश-विदेश की 10 प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठक कर निवेश और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की।

बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग तथा सेमीकंडक्टर निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। एनवीडिया, पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, ओसेल डिवाइसेज, फुजियामा पावर, सबमर इंडिया, जेएसएम डाटाक्रॉप, आर्सेनल इन्फो सोल्यूशंस और अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं और भावी परियोजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को बेहतर आधारभूत संरचना, अनुकूल नीतियां और निवेशकों के लिए हर संभव सहयोग उपलब्ध करा रही है। इससे प्रदेश में उच्च तकनीक आधारित उद्योगों का विस्तार होगा, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को नई संभावनाएं मिलेंगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कॉन्क्लेव प्रदेश को तकनीकी निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भेल भोपाल में 205 अधिकारी पदोन्नत

भोपाल। भेल ने 38 एजीएम से जीएम और 167 सीनियर डीजीएम से एजीएम से साथ ही ई-वन से ई-सीक्स तक के अफसरों को भी प्रमोशन देकर नवाजा है। इसमें अकेले भेल भोपाल से छह जीएम के बजाय चार जीएम को शामिल है। इसमें से एक एजीएम को जीएएम बनाकर हरिद्वार यूनिट भेज दिया है। वही इस यूनिट को सिर्फ 3 जीएम ही मिले हैं। कुछ लोगों के जीएम न बनने से प्लांट परिसर में गम है। इस सूची में भोपाल यूनिट से धर्मेन्द्र सिंह, दिलीप कुमार, राजेश कुमार शर्मा और सुनील कुमारी भार्गव शामिल है।

‘अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा’ का लोकार्पण संपन्न

भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र में विकसित अत्याधुनिक ‘अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा’ का लोकार्पण 14 जुलाई को सायं 5 :30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, जिला प्रशासन भोपाल तथा विभिन्न वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। इसका विकास नेहरू साइंस सेंटर, मुंबई के तकनीकी मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन भोपाल के सहयोग से किया गया है।

मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति की बैठक

प्रदेश की सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का करें प्रयोग : पटेल

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को बेहतर, मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए सरकार ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए तय समयसीमा में काम पूरा किया जाए।

विशेषज्ञों की नियुक्ति और नई कार्यप्रणाली पर जोर-मंत्री पटेल ने सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यप्रणाली में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के मानकों को अपनाया जाए और विभाग की सभी शाखाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाया जाए। उन्होंने विभागीय प्रयोगशालाओं को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने पर भी जोर दिया।

हजारों किलोमीटर सड़कों पर चल रहा काम

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बैच-1 में 973 मार्गों के लिए 2,117 किलोमीटर सड़कें स्वीकृत की गई हैं, जिनसे 987 बसाहटों को लाभ मिलेगा। वहीं बैच-2 में 2,032 मार्गों पर काम प्रस्तावित है। क्षतिग्रस्त 1,776 पुलों में से 380 के पुनर्निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में जल्द करें स्टेशनों का पुनर्विकास

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने सोमवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित अशोकनगर एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशनों का विकास कार्य जल्द पुरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इन दोनों स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं स्टेशन प्रबंधन का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के रखरखाव तथा यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं तुरंत उपलब्ध कराने को कहा। इन दोनों स्टेशनों पर नवनिर्मित स्टेशन भवन, अग्रभाग, आधुनिक प्रतीक्षालय, यात्री सूचना प्रणाली, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने घुड़सवारी अकादमी का किया निरीक्षण

प्रदेश को घुड़सवारी के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में कार्य करें अधिकारी : सारंग

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश को घुड़सवारी के क्षेत्र में देश की अग्रणी पहचान दिलाने के उद्देश्य से योजनाबद्ध एवं परिणामोन्मुखी कार्य किए जाएं। उत्कृष्ट अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और प्रभावी कार्य-योजना के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां अर्जित कर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। यह निर्देश खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण के बाद अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर अकादमी के समग्र विकास, खिलाड़ियों के प्रदर्शन तथा घुड़सवारी खेल को प्रदेश में अधिक लोकप्रिय बनाने के संबंध में दिये।

सारंग ने सर्वप्रथम अकादमी के अस्तबल का निरीक्षण कर घोड़ों के रख-रखाव, स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मल्टीपर्पस इंडोर एरीना का निरीक्षण किया। श्रसारंग ने कहा कि इंडोर एरीना के निर्माण कार्य पूरा होने पर मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की घुड़सवारी प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा तथा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। समीक्षा बैठक में सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकादमी के प्रत्येक खिलाड़ी की विस्तार से प्रोफाइल तैयार की जाए, जिसमें खिलाड़ियों की आवश्यक जानकारी संकलित हो। इससे यह समझा जा सकेगा कि घुड़सवारी खेल के प्रति किस आय वर्ग के युवाओं का अधिक रुझान है। श्री सारंग ने कहा कि इस आधार पर भविष्य की कार्य-योजना तैयार कर अधिक से अधिक युवाओं को इस खेल से जोड़ा जा सकेगा। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव संजीव सिंह, संचालक अंशुमन यादव, उप-सचिव अजय श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे।

दो दुकान और तीन मकानों को चोरों ने बनाया निशाना

- पुलिस की रात्रिगश्त व्यवस्था की खुली पोल

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में चोरों ने रात्रि गश्त की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले 24 घंटों में दो दुकानों और तीन मकानों में चोरी की वारदातें सामने आई हैं। बदमाश नकदी, सोने-चांदी के जेवर और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस का कहना है कि कई मामलों में चोरी गई संपत्ति की पूरी सूची अभी नहीं मिली है। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में एयरपोर्ट रोड स्थित अपोलो फार्मेसी का शटर मोड़कर चोर 24 हजार रुपये नकद और अन्य सामान ले गए। वहीं इंद्र विहार कॉलोनी में ऑन डोर कंपनी की फ्रेंचाइजी का ताला तोड़कर 55 हजार रुपये और अन्य सामान चोरी कर लिया। शाहजहांनाबाद के मदर इंडिया कॉलोनी में घर का दरवाजा खुला रहने का फायदा उठाकर बदमाश मोबाइल, चांदी की पायल, कंगन और करधौनी चोरी कर ले गए। उधर, चूनाभट्टी की छत्रपति शिवाजी कॉलोनी में दो सूने मकानों को निशाना बनाया गया। मकान मालिक अवधेश गुप्ता कार्यक्रम में व्यस्त थे, जबकि दूसरे मकान मालिक सौरभ अवस्थी इंदौर गए हुए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने 35 मिनट में किया हृदय का आपरेशन

महज 1.4 किलो के नवजात को मिली नई जिंदगी

- मध्य भारत में सबसे कम वजन वाले शिशु का रिकॉर्ड उपचार

भोपाल (नगर संवाददाता)

एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए महज 1.4 किलोग्राम वजन वाले नवजात शिशु का बिना ओपन हार्ट सर्जरी के सफल हृदय उपचार किया है। अस्पताल के अनुसार, ट्रांसकैथेटर पीडीए (पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस) डिवाइस क्लोजर की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश और मध्य भारत में अब तक के सबसे कम वजन वाले शिशु पर सफलतापूर्वक की गई है।

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भूषण शाह के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने यह जटिल प्रक्रिया मात्र 35 मिनट में पूरी कर नवजात को नया जीवन दिया। जिसकी परिजन प्रशंसा कर रहे हैं।

बेहद चुनौतीपूर्ण था उपचार

पीडीए एक जन्मजात हृदय रोग है, जिसमें जन्म के बाद बंद हो जाने वाली रक्त वाहिका खुली रह जाती है। इससे फेफड़ों और हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे नवजात को सांस लेने में तकलीफ, दूध पीने में परेशानी, वजन नहीं बढ़ना और बार-बार संक्रमण जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। केवल 1.4 किलोग्राम वजन वाले शिशु में यह प्रक्रिया इसलिए बेहद चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि उसकी रक्त वाहिकाएं अत्यंत छोटी और नाजुक थीं। इस जटिल प्रक्रिया को डॉ. भूषण शाह के साथ डॉ. सुदेश प्रजापति, डॉ. अंबर कुमार और वरिष्ठ एनेस्थीसिया टीम ने आधुनिक उपकरणों और उन्नत तकनीक की मदद से सफल बनाया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल एम्स भोपाल के लिए, बल्कि पूरे मध्य भारत में नवजात हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पोल से टकराकर घर में घुसा डंपर, दो कारें आपस में टकराईं

- जोरदार शॉर्ट सर्किट के बाद इलाके की बिजली गुल
- दुर्घटना में नही हुई जनहानि

भोपाल (नगर संवाददाता)

तेज रफ्तार डंपर बिजली के पोल से टकराने के बाद घर में घुस गया। यह भीषण दुर्घटना रातीबड़ थाना क्षेत्र में हुई। इधर, बिलखिरिया में क्रेन के लापरवाह चालक के कारण दो कारें आपस में टकरा गई। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम मेंडोरी के पास सरकारी स्कूल के नजदीक बिजली के पोल से तेज रफ्तार डंपर एमपी-04-एचई-2416 ने टक्कर मार दी। उसका चालक काफी नशे की हालत में था। पोल से टकराने के बाद डंपर विकास मारन पिता फूलसिंह मारन उम्र 32 साल के घर में घुस गया। यह दुर्घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात डेढ़ बजे हुई थी। घर में टकराने के कारण दीवार टूट गई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। लेकिन, दुर्घटना के कारण मकान को भारी नुकसान पहुंचा हैं। आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।